वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 108 | मंगलवार 15 अगस्त 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

राष्ट्रपति मुर्मु का देश के नाम संबोधन, कहा...

राष्ट्र सेवा के हर क्षेत्र में बढ़-चढ़कर योगदान दे रहीं महिलाएं

राष्ट्रपति ने देश के नाम अपने संबोधन में कहा कि स्वतंत्रता दिवस हमें यह याद दिलाता है कि हम केवल एक व्यक्ति ही नहीं हैं बल्कि हम एक ऐसे महान जन-समुदाय का हिस्सा हैं जो अपनी तरह का सबसे बड़ा और जीवंत समुदाय है। यह विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र के नागरिकों का समुदाय है। जाति भाषा और क्षेत्र के अलावा हमारी अपने परिवार और कार्य-क्षेत्र से जुड़ी पहचान है।

जयपुर/नई दिल्ली. शाबाश इंडिया

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने 77वें स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर देश के नाम अपने संबोधन की शुरूआत देशवासियो को बधाई देते हुई की। उन्होंने कहा कि यह दिन हम सब के लिए गौरवपूर्ण और पावन है। चारों ओर उत्सव का वातावरण देखकर मुझे बहुत प्रसन्नता हो रही है। राष्ट्रपति ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस हमें यह याद दिलाता है कि हम केवल एक व्यक्ति ही नहीं हैं, बल्कि हम एक ऐसे महान जन-समुदाय का हिस्सा हैं जो अपनी तरह का सबसे बड़ा और जीवंत समुदाय है। यह विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र के नागरिकों का समुदाय है। उन्होंने कहा कि जाति, पंथ, भाषा और क्षेत्र के अलावा, हमारी अपने परिवार और कार्य-क्षेत्र से जुड़ी पहचान भी होती है। लेकिन हमारी एक पहचान ऐसी है जो इन सबसे ऊपर है, और हमारी वह पहचान है, भारत का नागरिक होना।

हम सभी इस महान देश के नागरिक

राष्ट्रति ने अपने संबोधन में बताया कि हम सभी, समान रूप से, इस महान देश के नागरिक हैं। हम सब को समान अवसर और अधिकार उपलब्ध हैं तथा हमारे कर्तव्य भी समान हैं। गांधीजी तथा अन्य महानायकों ने भारत की आत्मा को फिर से जगाया और हमारी महान सभ्यता के मूल्यों का जन-जन में संचार किया। चंद्रमा का अभियान अन्तरिक्ष के हमारे भावी कार्यक्रमों के लिए केवल एक सीढ़ी है। हमें बहुत आगे जाना है। अनुसंधान, नवाचार तथा उद्यमशीलता को बढ़ावा देने के लिए, अगले पांच वर्षों में 50,000 करोड़ रुपये की राशि के साथ सरकार द्वारा **Anusandhaan National Research Foundation** स्थापित किया जा रहा है।

महिला सशक्तिकरण पर जोर

राष्ट्रपति ने महिला सशक्तिकरण पर बोलते हुए कहा कि सरोजिनी नायडू, अम्मू स्वामीनाथन, रमा देवी, अरुणा आसफ अली और सुचेता कृपलानी जैसी अनेक महिला विभूतियों ने अपने बाद की सभी पीढ़ियों की महिलाओं के लिए आत्म-विश्वास के साथ, देश तथा समाज की सेवा करने के प्रेरक आदर्श प्रस्तुत किए हैं। आज महिलाएं विकास और देश सेवा के हर क्षेत्र में बढ़-चढ़कर योगदान दे रही हैं तथा राष्ट्र का गौरव बढ़ा रही हैं। आज हमारी महिलाओं ने ऐसे अनेक क्षेत्रों में अपना विशेष स्थान बना लिया है जिनमें कुछ दशकों पहले उनकी भागीदारी की कल्पना भी नहीं की जा सकती थी। मैं सभी देशवासियों से आग्रह करती हूं कि वे महिला सशक्तीकरण को प्राथमिकता दें। मैं चाहूंगी कि हमारी बहनें और बेटियाँ साहस के साथ, हर तरह की चुनौतियों का सामना करें और जीवन में आगे बढ़ें।

विश्व में भारत की महत्वपूर्ण भूमिका

देश की विकास गाथा का बखान करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि भारत, पूरी दुनिया में, विकास के लक्ष्यों और मानवीय सहयोग को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। चूंकि **G20** समूह दुनिया की दो-तिहाई जनसंख्या का प्रतिनिधित्व करता है, इसलिए यह हमारे लिए वैश्विक प्राथमिकताओं को सही दिशा में ले जाने का एक अद्वितीय अवसर है। देश ने चुनौतियों को अवसरों में बदला है और प्रभावशाली **GDP growth** भी दर्ज की है। मुश्किल दौर में भारत की अर्थव्यवस्था न केवल समर्थ सिद्ध हुई है बल्कि दूसरों के लिए आशा का स्रोत भी बनी है। वंचितों को वरीयता प्रदान करना हमारी नीतियों और कार्यों के केंद्र में रहता है। परिणामस्वरूप पिछले दशक में बड़ी संख्या में लोगों को गरीबी से बाहर निकालना संभव हो पाया है। राष्ट्रपति ने देश के आदिवासी समाज अपील की कि आप सब अपनी परंपराओं को समृद्ध करते हुए आधुनिकता को अपनाएं। उन्होंने कहा कि जरूरतमंदों की सहायता के लिए विभिन्न क्षेत्रों में पहल की गयी है तथा व्यापक स्तर पर कल्याणकारी कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। मैं एक शिक्षक रही हूँ, इस नाते भी मैंने यह समझा है कि शिक्षा, सामाजिक सशक्तीकरण का सबसे प्रभावी माध्यम है।

तिरंगा यात्रा का किया भव्य स्वागत

झुमरी तिलैया. शाबाश इंडिया। श्री दिगंबर जैन समाज के द्वारा तिरंगा यात्रा का स्टेशन रोड ओवर ब्रिज के पास स्वागत अभिनंदन किया गया। जैन समाज के सैकड़ो महिलाएं पुरुष बच्चे हाथों में तिरंगा झंडा लेकर इस यात्रा में शामिल हुए। जैन समाज के मंत्री ललित सेठी उपाध्यक्ष कमल सेठी चतुर्मास कमेटी के संयोजक नरेंद्र झाझंरी सह मंत्री राज छाबड़ा सुरेश झाझंरी निवर्तमान पार्षद पिंकी जैन ने तिरंगा यात्रा में शामिल केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री सांसद कोडरमा अन्नपूर्णा देवी एवं विधायक डॉ नीरा यादव को पुष्पगुच्छ देकर और माला पहनाकर स्वागत किया। तिरंगा यात्रा में भारत माता बनी जैना जैन ने तिलक लगाया इस मौके पर समाज के मंत्री ललित शेट्टी एवं भाजपा नेत्री पिंकी जैन ने कहा कि तिरंगा झंडा में शामिल होना गौरव की बात है तिरंगा झंडा हाथ में लेने से ही राष्ट्र के प्रति प्रेम और समर्पण की आस्था बढ़ती है देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा अमृत महोत्सव में घर घर तिरंगा हर घर तिरंगा अभियान लोगों में देशभक्ति और राष्ट्रवाद की भावना को बढ़ाता है। इस मौके समाजसेवी सरोज जैन सुरेश जैन, प्रदीप छाबड़ा,सुनील छाबड़ा ,संदीप सेठी,नवीन सेठी,टुन्नू अजमेरा,लटटू छाबडा,पिंटू सेठी जैन महिला समाज की अध्यक्ष नीलम सेठी,किरण ठोलिया ,मोना छाबड़ा, संगीता जैन ,गोलू सोगानी ,विकास सेठी ,अजय बड़जात्या, नवीन पायलिया आदि लोग शामिल थे यह सभी जानकारी जैन समाज के मीडिया प्रभारी राजकुमार अजमेरा ,नविन जैन ने दिया।

शरीर धर्म साधना का प्रथम माध्यम है इसे स्वस्थ रखें: आचार्य श्री

आर्यवेद चिकित्सा संगोष्ठी में पढ़े गये आलेख। आर्यवेद चिकित्सा की और से युवा मुख मोड़ रहे हैं: डा एस के जैन

अशोक नगर. शाबाश इंडिया

शरीर धर्म साधना का प्रथम माध्यम है बड़े बड़े ध्यान शरीर के द्वारा होते हैं आज शरीर का संघनन बहुत कमजोर हो गया है वजृवृषभ नारच सहन्न के बाद परम पद को प्राप्त किया जा सकता है आज ऐसी स्थिति है कि हर व्यक्ति को कोई ना कोई दवा लेना पड़ रही है ऐसे में शुद्ध और उत्तम औषधि मिले इसका पुरुषार्थ करना होगा आज इस संगोष्ठी में बड़े बड़े विद्वान पधारें है इनकी योग्यता का समाज लाभ ले ये डॉ विना किसी लोभ लालच के अपनी सेवाएं यहा देंगे उक्त आश्य केउद्गार सुभाष गंज मैदान में धर्मसभा को संबोधित करते हुए आचार्य श्रीआर्जवसागर जी महाराज ने व्यक्त किए। **चिकित्सा संगोष्ठी पहली बार आयोजित हो रही है:** मध्यप्रदेश महासभा संयोजक विजय धुर्रा ने कहा आज यहां भारतीय अहिंसा चिकित्सा विज्ञान एवं आयुर्वेद संगोष्ठी सदाचार सुक्ति में देशभर से आमंत्रित डाक्टर व वैद्य राज पधारें है जिनका श्री दिगम्बर जैन पंचायत कमेटी हृदय भाव से अभिन्नदन करते हैं समारोह का संचालन करते हुए शैलेन्द्र श्रागर ने कहा कि आचार्य श्री की मंन्सा अनुसार शुद्ध औषधियो के निर्माण से जुड़े अतिथियों को हमने आमंत्रित किया गया है। इस दौरान आचार्य श्री के चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलित डॉ डी के जैन डॉ सुगन चन्द्र डॉ अशोक डा सुकमाल डॉ शैलेन्द्र डॉ धनकुमार के साथ समाज अध्यक्ष राकेश कासंल महामंत्री राकेश अमरोद कोषाध्यक्ष सुनील

अखाई थूवोनजी अध्यक्ष अशोक जैन टींगू महामंत्री विपिन सिंघाई सहित अन्य अतिथियों ने किया। डॉ सुकुमार जी एम डी फामेर्सी संस्थान भोपाल ने सत्र की अध्यक्षता करते हुए कहा कि गर्म जल के साथ कितना ही घी आदि का प्रयोग करते हैंपत्रविद विध कल्पना के विना हम औषधि का निर्माण नहीं कर सकते हर कल्पना का अपना गुण धर्म है आज खान पान की व्यवस्था इतनी अधिक विगड़ गई कि उसका वर्णन नहीं किया जा सकताडॉ मनोज जी ने कहा कि एक समय ऐसा था जव इस देश में आर्यवेद का वोलवाला था इंग्लैंड के डा मैकाले ने भारतीय परम्परा को पीछे धकेल दिया आप जैसे संतो का ध्यान इस ओर जा रहा है तो हम सब को सम्बल मिलेगा।

आहार को औषधि बनाकर भोजन करें

शालैष जी भोपाल ने कहा कि आहार को औषधि वना ले तो आपको औषधि की आवश्यकता नहीं होगी यदि आप पत्थ का सेवन कर रहे हैं तो आपको औषधि की आवश्यकता ही नहीं है आचार्य श्री ने अपने तीर्थोदय आहार निद्रा और ब्रह्मचर्य तीन स्वस्थ जीवन के स्तंभ है इनके वीच सामंजस्य स्थापित करना होगा तो हम स्वस्थ रह सकते हैं हमें अपनी प्रकृति का ज्ञान करना चाहिए यदि आपने अपने शरीर की प्रकृति के अनुरूप आहार। डॉ अशोक जी विदिशा ने प्रथम सत्र की अध्यक्षता करते हुए कहा कि आप सेवा निवृत्त होते हैं समाज सेवा के लिए और सेवा करके अपने जीवन में सफल वनाये आपने जो ज्ञान प्राप्त किया है उसका सदुपयोग करके लोगों को लाभ देना ही ऐसे आयोजन का उद्देश्य रहता है। डा पारस जैन शाढ़ौरा ने अपना लेख प्रस्तुत करते हुए कहा कि आर्यवेदिक चिकित्सा आप कैसे स्वस्थ रहे इस ओर आपका ध्यान आकर्षित करती है हमारे रिषि मुनियों ने हमें भक्ष्य अभक्ष्य की नियमावली दी गई है । डॉ अंजलि जैन भोपाल ने कहा कि आज आर्यवेद को और अधिक परिष्कृत करने की जरूरत है क्योंकि आज की युवा पीढ़ी आयुर्वेद से अनभिज्ञ हैं आचार्य श्री ने सूक्ति काव्य में बहुत बड़ी बातो को कुछ शब्दों में समेट दिया।

श्री भौमियां जी मंदिर में भागवत कथा

सच्चे मन से करो ईश्वर की प्रार्थना:अवधेष जी महाराज

जयपुर. शाबाश इंडिया। न्यू आतिश मार्केट एसोसिएशन और भौमियां जी चैरिटेबल ट्रस्ट के तत्वावधान में आतिश मार्केट के श्री भौमिया जी मंदिर में चल रही श्रीमद भागवत ज्ञानयज्ञ के तीसरे दिन को व्यासपीठ से व्यासपीठ से कथावाचक श्री अवधेष जी महाराज ने शिव चरित्र, ध्रुव चरित्र,भरत चरित्र,प्रहलाद चरित्र व नृसिंह अवतार की कथा की कथा सुनाई,जिसे सुनकर श्रद्धालु श्रद्धा व आस्था की त्रिवणी में डुबकी लगाने लगे।इस मौके पर कथावाचक श्री अवधेष जी महाराज कि प्रार्थना एक ऐसी संस्तुति है जो अपने इष्ट के प्रति बिना किसी देरी के बिना किसी के सहारे तत्क्षण परमात्मा के पास पहुंच जाती है। उन्होंने बताया कि संसार की किसी वस्तु को एक स्थान से दूसरे स्थान पर भेजने के लिए पोस्टमैन की आवश्यकता पड़ती हैं, लेकिन हृदय से समर्पित की गई प्रार्थना एक ऐसी अभिव्यक्ति है जो बिना किसी पोस्टमैन के ही तत्क्षण गन्तव्य स्थान तक पहुच जाती है ।कथा कम में कपिल देव इति सवांद पर प्रकाश डालते हुए आचार्य श्री ने कहा कि देवहूति जी ने पति कर्दम के वन की ओर चले जाने पर पुत्र कपिल के पास आई और प्रार्थना करते हुए बोली कि हे प्रभु हमें संसार के बंधन से मुक्त होने का मार्ग प्रदान करें। मां देवहूति की प्रार्थना को भगवान कपिल ने तत्क्षण स्वीकार किया और ऐसा उपदेश प्रदान किया कि देवहूति जी संसार सागर से मुक्त होकर सिद्धिरा नाम की नदी के रूप में परिणित होकर मुक्त हो गई। आगे सती चरित्र की उपारूपान आचार्य श्री ने विस्तार से श्रोताओं को श्रवण कराया जिससे कथा प्रांगण का वातावरण शिव मय हो गया। परम भक्त ध्रुव जी के चरित्र पर व्याख्यान देते हुए उन्होने कहा कि मात्र पांच वर्ष की अवस्था में ध्रुव को दर्शन देकर अखंड राज्य प्रदान करते हुए उनके लिये ध्रुव लोक का निर्माण में कर दिया। आचार्य श्री ने बताया कि प्रभु के दर्शन के लिए व्यक्ति को सत्संग सेवा सुमिरन में हमेशा लीन रहना चाहिए और अपने को मानव बनाने का प्रयत्न करो तुम यदि इसमें सफल हो गए तो तुम्हे इस कार्य में सफलता निश्चित रूप से प्राप्त होगी। कुसंगति की अपेक्षा अकेले रहना सबसे उत्तम कार्य है। न्यू आतिष मार्केट एसोसिएषन के अध्यक्ष विष्णु कूलवाल ने बताया कि कथा महोत्सव के तहत सोमवार को मनवन्तर की कथा,वामन चरित्र,श्री रामावतार के बाद नंदोत्सव मनाया जाएगा। कथा 17 अगस्त तक रोजाना दोपहर 1बजे से साम 5 बजे तक होगी।

मेडिटेशन गुरु उपाध्याय श्री 108 विहसंत सागर महाराज का 40 वा जन्मोत्सव डबरा में मनाया गया

जया अग्रवाल. शाबाश इंडिया

डबरा, ग्वालियर, मध्य प्रदेश। मुनिश्री ने अपने प्रवचन देते हुए भक्तों से कहा दिगंबर मुनि अपना जन्म उत्सव कभी नहीं मनाते वहां परोपकार दिवस मनाते हैं क्योंकि हमारा जन्म मुनि बनकर स्वयं का कल्याण करने के लिए हुआ है यदि इस राह में कोई हमारे साथ जुड़ जाता है तो हम सोचते हैं कि हमारे साथ-साथ इस जीव का भी कल्याण हो जाए। समारोह में जैन भजन सम्राट राजीव विजयवर्गीय ने अनेकों जैन भजनों की प्रस्तुति देकर भक्तों का मन मोह लिया जिसका धर्म प्रेमी बंधु ने भरपूर आनंद लिया। समारोह में मुख्य रूप से मध्यप्रदेश गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा, मंत्री मुन्ना लाल गोयल,भारत तिब्बत सहयोग मंच की प्रांत अध्यक्ष मोनिका जैन एडवोकेट, मनोज जैन(जैन कॉलेज)एवं अन्य गुरु भक्त उपस्थित हुए। कार्यक्रम की शुरूआत गणाचार्य श्री 108 विराग सागर महाराज जी के चित्र अनावरण एवं दीप प्रज्वलन द्वारा की गई। कार्यक्रम में मुनि श्री को पिछी कमंडल एवं सिंघासन भक्तों द्वारा भेंट किया गया। समस्त भारत से हजारों से भी अधिक की संख्या में मुनि भक्त उपस्थित हुए और उपस्थित अतिथियों का सम्मान आरोग्यमय में वर्षा योग समिति के सदस्य विनोद जैन, अरुण जैन, नीरू जैन, महावीर जैन, महेंद्र जैन, हेमंत जैन, राजू जैन, ममता जैन, जितेंद्र जैन, बसंत जैन, दिनेश जैन, रवि जैन, लोकेश जैन, सुशीला जैन शास्त्री अनुराग जैनअमन जैन एवं अन्य सदस्यों द्वारा किया गया। कार्यक्रम में बालिकाओं द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुति दी गई। एवं समस्त डबरा के मंचों द्वारा मुनिश्री को अर्घ समर्पित किए गए एवं महा आरती की गई।

केन्द्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने 'संस्कृति संवर्धन सम्मान' से डॉ. इन्दु जैन राष्ट्र गौरव को किया सम्मानित

गुरुग्राम. शाबाश इंडिया। ''एक भारत - श्रेष्ठ भारत'' प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के इस विचार से प्रेरित होकर गुरुग्राम में भारत अंतरराष्ट्रीय सांस्कृतिक केन्द्र का भव्य शिलान्यास समारोह एवं त्रिदिवसीय संस्कृति महोत्सव सम्पन्न हुआ। त्रिदिवसीय संस्कृति महोत्सव के समापन समारोह में डॉ. इन्दु जैन राष्ट्र गौरव को भारतीय संस्कृति के प्रचार-प्रसार, संरक्षण-संवर्धन में समर्पित होकर विशेष भूमिका निभाने के लिए केन्द्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने ''संस्कृति संवर्धन सम्मान'' से सम्मानित किया। डॉ. इन्दु ने इस समारोह के संचालन का दायित्व भी कुशलता से निभाया। इंटरनेशनल दिव्य परिवार सोसाइटी एवं चाणक्य वार्ता परिवार के द्वारा आयोजित संस्कृति महोत्सव में तीनों दिन भारत के विशिष्ट अतिथियों का सानिध्य प्राप्त हुआ । इस समारोह में भारत के पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद, बिहार के राज्यपाल राजेन्द्र विश्वनाथ आलेकर,महाराष्ट्र के पूर्व राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी, मेघालय एवं सिक्किम के पूर्व राज्यपाल गंगा प्रसाद केन्द्र के संरक्षक लक्ष्मी नारायण भाला , राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष इकबाल सिंह लालपुरा,हरियाणा प्रदेश भाजपा के अध्यक्ष ओमप्रकाश धनखड़ ,जैन संत गणि राजेन्द्र विजय , चाणक्य वार्ता के सम्पादक एवं इस समारोह के मुख्य संयोजक डॉ. अमित जैन आदि गणमान्य व्यक्तियों के सानिध्य ने समारोह का गौरव बढ़ाया। ''संस्कृति-संवर्धन सम्मान'' से सम्मानित डॉ. इन्दु जैन राष्ट्र गौरव लेखिका,कवयित्री,विदुषी रत्न, मोटिवेशनल स्पीकर, सलाहकार, पत्रकार, शाकाहार प्रचारक , भारतीय नैतिक मूल्यों की प्रशिक्षिका हैं तथा सर्वप्राचीन प्राकृत भाषा, संस्कृत, अपभ्रंश, हिन्दी भाषा,ब्राह्मी लिपि आदि भारतीय भाषाएं -लिपि-साहित्य- नाट्यकला-संगीतकला आदि विभिन्न क्षेत्रों में अनेक माध्यमों से निरन्तर भारतीय-श्रमण जैन संस्कृति में योगदान दे रही हैं।

वेद ज्ञान

कामना का मूल आशय

हर व्यक्ति की अपनी कुछ-न-कुछ कामना होती है, लेकिन प्रायः हम तय नहीं कर पाते कि हमारी कामना का मूल आशय क्या होता है? हमने कामना किस भावना से की है? हमारा ध्येय क्या है? हमने ही नहीं जाना तो कामना करने का अधिकार किसने दे दिया? कोई कार्य यदि आशय के बगैर होगा तो वह स्वतः ही गौण हो जाएगा। ध्येय के बगैर कोई कार्य लाभदायी न होगा। ध्येय के बगैर काम करते हैं और आगे बढ़ते जाते हैं। हमें यह भी अनुभूति नहीं कि कहां से चले हैं और कहां तक पहुंच सके हैं। फिर यह तो बहुत स्वाभाविक व सुनिश्चित है कि मंजिल के प्रति अनभिज्ञता रहेगी ही। अक्सर लोग यह कहते हैं कि बहुत पूजा-अर्चना की, सर्वात्म शक्ति को बहुत मनाया, पर हमारा कल्याण नहीं हुआ तब वे सर्वात्म-सत्ता को भला-बुरा कहने से भी नहीं चूकते। अपने समय को घोर कलयुग की संज्ञा देते हुए किंचित भी नहीं झिझकते। बहुत चाह थी रोग बढ़े नहीं, पर रोग क्यों है, यह न जाना, न जानना चाहा। खूब प्रार्थना की कि बाढ़ का सैलाब हमारे द्वार तक न पहुंचे, पर सामने या आसपास कहीं कोई रोक लगाने की कोशिश नहीं की। अपने ही भ्रमों में भटके हुए हैं हम और कामनाओं को ही जीवन मान बैठे हैं। फिर कहते हैं कि सारा दोष है सर्वात्म-सत्ता का। इस हास्यास्पद आक्रोश पर कहें भी तो क्या कहें? हमारी कामना का ध्येय क्या है? व्यापार में लाभ हो, क्या यही हमारे कल्याण का आशय है? घर में भौतिक सुख-सुविधाएं बनी रहें, मुनाफे में बढ़ोतरी होती रहे, उच्च पद की प्राप्ति हो, ऊपरी आय हो सकने वाली जगह पर आसीन हुआ जाए- क्या इन सभी स्थितियों में ही हमारा कल्याण है? इसे ही कल्याण माना गया है और इसे ही अपनी कामना से जोड़ लिया गया है। कल्याण का इतना बौना अर्थ निकालने वालों की सोच और उनकी दृष्टि पर बड़ी दया आती है। कल्याण का इतना-सा आशय किसी भी दृष्टि से श्रेयस्कर नहीं हो सकता। अब यह कल्याण न भी हुआ तो क्या हो गया? अपने कल्याण को जिन लोगों ने उपर्युक्त स्वार्थों से जोड़ा है, वे कल्याण के आकांक्षी नहीं हैं। सुविधाएं, मुनाफा, रिश्वतखोरी, पद, दबदबा-यह सब जीवन का बाह्य मूल्यांकन करता है।

संपादकीय

सवालों के घेरे में निर्वाचन आयुक्तों का नियुक्ति संबंधी विधेयक

संवैधानिक संस्थाओं की साख इस बात से बनती है कि वे कितनी स्वायत्त रहकर काम कर पाती हैं। उनके मुखिया किस तरह संवैधानिक मूल्यों की रक्षा करते हैं। मगर विडंबना यह है कि लंबे समय से कुछ संस्थाओं के कामकाज के तौर-तरीके पर अंगुलियां उठती रही हैं। उनके सरकार के पक्ष में झुक कर या उसके दबाव में काम करने के आरोप लगते रहे हैं। पिछले कुछ समय से निर्वाचन आयोग पर भी विपक्षी दल यही आरोप लगाते आ रहे हैं कि वह सरकार के इशारों पर काम करता है। ऐसे में निर्वाचन आयुक्तों की नियुक्ति का मामला सर्वोच्च न्यायालय में पहुंचा और वहां पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने व्यवस्था दी कि मुख्य निर्वाचन आयुक्त और अन्य निर्वाचन आयुक्तों की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा प्रधानमंत्री, नेता प्रतिपक्ष और प्रधान न्यायाधीश की समिति की सिफारिश पर की जाएगी। इस व्यवस्था का चौतरफा स्वागत हुआ और उम्मीद बनी थी कि निर्वाचन आयुक्तों की नियुक्ति में पारदर्शिता आएगी, इस संस्था की साख फिर से लौटेगी। हालांकि संविधान पीठ ने यह व्यवस्था तभी तक के लिए दी थी, जब तक कि सरकार इस संबंध में संसद में कानून नहीं बना लेती। अब सरकार ने इससे संबंधित विधेयक राज्यसभा में पेश कर दिया है। इस विधेयक के पेश होते ही सरकार फिर से विपक्ष के निशाने पर आ गई है। विधेयक में प्रावधान प्रस्तावित है कि निर्वाचन आयुक्तों की नियुक्ति प्रधानमंत्री, नेता प्रतिपक्ष और प्रधानमंत्री द्वारा चुने गए एक केंद्रीय मंत्री की समिति की सिफारिश पर की जाएगी। सर्वोच्च न्यायालय की दी हुई व्यवस्था में से प्रधान न्यायाधीश को हटा दिया गया है। इससे स्पष्ट है कि सरकार जिसे चाहेगी, उसे मुख्य निर्वाचन आयुक्त नियुक्त कर लेगी। इस तरह मुख्य निर्वाचन आयुक्त और दूसरे आयुक्तों के सरकार के दबाव से मुक्त होकर काम करने पर संदेह बना रहेगा।

लोकतांत्रिक व्यवस्था में निर्वाचन आयोग की भूमिका सबसे महत्त्वपूर्ण होती है। अगर मुख्य निर्वाचन आयुक्त का झुकाव सरकार की तरफ होता है, तो चुनाव प्रक्रिया में पारदर्शिता और निष्पक्षता संदिग्ध हो जाती है, जैसा कि पिछले कुछ चुनावों से आरोप लगते रहे हैं। सत्तापक्ष के प्रति नरमी और विपक्षी दलों के खिलाफ सख्ती के उसके पक्षपातपूर्ण फैसलों के अनेक उदाहरण दिए जाते हैं। सर्वोच्च न्यायालय ने भी टिप्पणी की थी कि निर्वाचन आयोग में टीएन शेषन जैसे आयुक्त की नियुक्ति होनी चाहिए। ऐसे में जब सरकार ने अपने बहुमत का ध्यान रखते हुए विधेयक तैयार किया है, तो उस पर सवाल उठने स्वाभाविक हैं। यह तो ठीक है कि सर्वोच्च न्यायालय कानूनी प्रक्रियाओं का मूल्यांकन संविधान की भावना को ध्यान में रखते हुए करता और अपनी कोई व्यवस्था देता है। मगर वह व्यवस्था स्थायी नहीं होती, उसे संसद में कानूनी शक्ल देना पड़ता है। यह काम सरकार ही कर सकती है। ऐसे में अपेक्षा की जाती थी कि सरकार जनभावनाओं के मद्देनजर संविधान पीठ की दी हुई व्यवस्था को ही कानूनी जामा पहना देती। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

गंभीर मसला

संसद में किसी मुद्दे पर सत्तापक्ष और विपक्षी दलों के बीच मतांतर या विरोध एक स्वाभाविक स्थिति है और इस पर बहस एक स्वस्थ लोकतांत्रिक प्रक्रिया। विडंबना है कि कई बार संसद की कार्यवाही के बीच नियमों की व्याख्या अपने मुताबिक करने की कोशिश की जाती है। इसी हफ्ते सोमवार को राज्यसभा में दिल्ली सेवा विधेयक पारित हो गया। मगर इस दौरान आम आदमी पार्टी से राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा पर गंभीर आरोप लगे। अगर वास्तव में नियमों को ताक पर रख कर ऐसा किया गया, तो संसद में इसे फजीर्वाड़े के तौर पर दर्ज किया जाएगा। दरअसल, राघव चड्ढा संसद में दिल्ली सेवा विधेयक को स्थायी समिति के पास भेजने का प्रस्ताव लेकर आए थे, जिसके लिए पांच सांसदों के नाम शामिल किए गए थे। मगर उन पांचों सांसदों का साफतौर पर कहना है कि उन्होंने हस्ताक्षर नहीं किए। यही नहीं, उन्होंने कहा कि उन्हें इस बात की कोई जानकारी तक नहीं थी कि उनके नाम इस प्रस्ताव में शामिल किए जा रहे हैं। जाहिर है, यह बेहद गंभीर आरोप है कि सांसदों की सहमति के बगैर किसी प्रस्ताव में उनका नाम शामिल कर लिया गया और ऐसा करने का आरोप खुद राज्यसभा के सांसद राघव चड्ढा पर लगा है। सवाल है कि जब विधेयक को स्थायी समिति के पास भेजना जरूरी ही लगा था, तो क्या उस प्रस्ताव को तैयार करते हुए संबंधित सांसदों से राय-मशविरा करना या उनसे लिखित सहमति लेना जरूरी नहीं था! अब अगर वे पांचों सांसद अपने हस्ताक्षर के फर्जी होने और उनकी सहमति के बगैर उनका नाम दिए जाने की शिकायत कर रहे हैं, तो निश्चित रूप से इससे जुड़ी विधिक स्थितियों की पड़ताल होनी चाहिए। फिलहाल, इस संबंध में विशेषाधिकार समिति की रपट आने तक के लिए राघव चड्ढा को सदन से निलंबित कर दिया गया है। हालांकि सदन का सदस्य होने के नाते राघव चड्ढा को यह ध्यान रखना चाहिए था कि अगर कोई मामला विशेषाधिकार समिति में है तो इस बारे में सार्वजनिक रूप से कोई राय जाहिर न करें। मगर खबरों के मुताबिक, उन्होंने मीडिया के सामने अपना बचाव करने की कोशिश की। इसे नियमों का उल्लंघन माना गया। यों, इस मामले में राघव चड्ढा नियमों का हवाला देते हुए कह रहे हैं कि सांसद किसी भी समिति के गठन के लिए नाम प्रस्तावित कर सकता है और संबंधित व्यक्ति के हस्ताक्षर या लिखित सहमति की आवश्यकता नहीं होती। लेकिन जिन पांच सांसदों के नाम प्रस्ताव में दिए गए थे, अगर वे सभी न केवल इस बारे में कोई जानकारी न होने, बल्कि अपना फर्जी हस्ताक्षर किए जाने की शिकायत कर रहे हैं तो इसे कैसे देखा जाएगा? अब इस मामले की जांच के बाद ही यह सामने आएगा कि क्या नियमों का उल्लंघन करके बिना सहमति के सांसदों का नाम भेजा गया था या फिर उनके नाम के फर्जी हस्ताक्षर किए गए। अगर ये आरोप सही पाए गए तो निश्चित रूप से राघव चड्ढा की सदस्यता तक पर सवाल उठ सकते हैं। सही है कि आम आदमी पार्टी के पास दिल्ली की सत्ता है और दिल्ली राज्य सेवा विधेयक के कानून बनने के बाद इसके जरिए यहां के शासन के स्वरूप में जो बदलाव आएगा, उससे उसके नेताओं को परेशानी होगी।

एकता, अखंडता और बलिदान के प्रतीक स्वतंत्रता दिवस के असल मायने

77वां स्वतंत्रता दिवस हमारे बीच दस्तक दे रहा है। हम सब जानते हैं कि सदियों की गुलामी के पश्चात 15 अगस्त सन 1947 के दिन हमारा भारत देश आजाद हुआ था। पहले हम अंग्रेजों के गुलाम थे। उनके बढ़ते हुए अत्याचारों से सारे भारतवासी त्रस्त हो गए और तब विद्रोह की ज्वाला भड़की और भारत देश के अनेक वीरों ने प्राणों की बाजी लगाई, गोलियां खाई और अंततः आजादी पाकर ही चैन लिया।

शाबाश इंडिया

भारत एक ऐसा देश है जहां करोड़ों लोग विभिन्न धर्म, परंपरा, और संस्कृति के एक साथ रहते हैं और स्वतंत्रता दिवस के इस उत्सव को पूरी खुशी के साथ मनाते हैं। इस दिन, भारतीय होने के नाते, हम गर्व तो महसूस करते ही हैं हमें ये वादा भी करना चाहिये कि हम किसी भी प्रकार के आक्रमण या अपमान से अपनी मातृभूमि की रक्षा के लिये सदा देशभक्ति से पूर्ण और ईमानदार रहेंगे। 77वां स्वतंत्रता दिवस हमारे बीच दस्तक दे रहा है। हम सब जानते हैं कि सदियों की गुलामी के पश्चात 15 अगस्त सन 1947 के दिन हमारा भारत देश आजाद हुआ था। पहले हम अंग्रेजों के गुलाम थे। उनके बढ़ते हुए अत्याचारों से सारे भारतवासी त्रस्त हो गए और तब विद्रोह की ज्वाला भड़की और भारत देश के अनेक वीरों ने प्राणों की बाजी लगाई, गोलियां खाई और अंततः आजादी पाकर ही चैन लिया। 15 अगस्त हमेशा हमारे लिए इतना खास रहा है कि एक दिन जब हम अपने देश की सारी महिमा याद करते हैं क्योंकि हम संघर्ष, विद्रोह और भारतीय स्वतंत्रता से लड़ने वाले भारतीय स्वतंत्रता सेनानियों के प्रयासों को याद करते हैं। भारत का स्वतंत्रता दिवस न केवल ब्रिटिश राज के शासन से भारत की आजादी को दर्शाता है, बल्कि यह इस देश की शक्ति को भी दिखाता है और ये दिखाता है कि जब वह इस देश के सभी लोगों को एकजुट करता है ।

खुशनसीब हैं वो जो वतन पर मिट जाते हैं,
मरकर भी वो लोग अमर हो जाते हैं।

करता हूँ उन्हें सलाम ए वतन पे मिटने वालों,
तुम्हारी हर साँस में तिरंगे का नसीब बसता है।।

ब्रिटीश शासन से 15 अगस्त 1947 में भारत को स्वतंत्रता मिली। आजादी के बाद हमें अपने राष्ट्र और मातृभूमि में सारे मूलभूत अधिकार मिले। हमें अपने भारतीय होने पर गर्व होना चाहिये और अपने सौभाग्य की प्रशंसा करनी चाहिये कि हम आजाद भारत की भूमि में पैदा हुए है। गुलाम भारत का इतिहास सबकुछ बयाँ करता है कि कैसे हमारे पूर्वजों ने कड़ा संघर्ष किया और फिरंगियो की क्रूर यातनाओं को सहन किया। भारत आजाद हो पाया क्योंकि सहयोग, बलिदान और सभी भारतीयों की सहभागिता थी। हमें महत्व और सलामी देनी चाहिये उन सभी भारतीय नागिरकों को क्योंकि वो ही असली राष्ट्रीय अभिनेता थे। हमें धर्मनिरपेक्षता में भरोसा रखना चाहिये और एकता को बनाए रखना है, एक दुसरे से लडाई झगड़े न करे, अपने सभी छोटे और बड़े लोगों को प्यार, सम्मान दें। हमें देश का जिम्मेदार नागरिक होने के नाते, किसी भी आपात स्थिति के लिये हमेशा तैयार रहना चाहिये। देश के लिए जान देने को कभी भी तैयार रहना चाहिए. हम लोग काफी भाग्यशाली हैं कि हमारे पूर्वजों ने हमें शांति और खुशी की धरती दी है जहाँ हम बिना डरे पूरी रात सो सकते हैं। हमारा देश तेजी से तकनीक, शिक्षा, खेल, वित्त, और कई दूसरे क्षेत्रों में विकसित कर रहा है जो कि बिना आजादी के संभव नहीं था। परमाणु ऊर्जा में समृद्ध देशों में एक भारत है। ओलंपिक, कॉमनवेल्थ गेम्स, एशियन गेम्स जैसे खेलों में सक्रिय रुप से भागीदारी करने के द्वारा हम लोग आगे बढ़ रहे हैं। हमें अपनी सरकार चुनने की पूरी आजादी है और दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र का उपयोग कर रहे हैं। हाँ, हम मुक्त हैं और

पूरी आजादी है हालाँकि हमें खुद को अपने देश के प्रति जिम्मेदारीयों से मुक्त नहीं समझना चाहिये। देश के जिम्मेदार नागरिक होने के नाते, किसी भी आपात स्थिति के लिये हमें हमेशा तैयार रहना चाहिये। भले ही हमने वह समय ना देखा हो, लेकिन हम उस महत्वपूर्ण समय को बहुत अच्छी तरह से महसूस कर सकते हैं जब हमारे देश को वास्तव में स्वतंत्रता प्राप्त हुई थी। हम इस देश के नागरिक होने पर गर्व महसूस करते हैं। हालांकि, आजादी से कई वर्ष पहले 1929 में ही आजादी की घोषणा कर दी गई थी और इस दिन को पूर्ण स्वराज का नाम दिया गया था। इसकी घोषणा भारतीय ध्वज फहराने के साथ महान स्वतंत्रता सेनानियों, महात्मा गांधी और अन्य लोगों द्वारा की गयी थी। यह वास्तव में सभी भारतीयों के लिए महत्वपूर्ण क्षण था। यह समझना काफी महत्वपूर्ण है कि भले ही भारत ने वर्ष 1947 में अपने आजादी को प्राप्त किया हो, परन्तु फिर भी 1950 के दशक में भारत का स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में आधिकारिक संविधान लागू किया गया। इस बीच की 3 वर्ष की अवधि को हम परिवर्तनकाल का समय कह सकते है। महात्मा गांधी जी या जिन्हें हम आम तौर पर बापू के नाम से संबोधित करते हैं स्वतंत्रता प्राप्त करने में मुख्य रूप से योगदान देने वाले सबसे अहम व्यक्तित्वों में से एक थे। उन्होंने हिंसा या रक्तपात के मार्ग का पालन न करके स्वतंत्रता प्राप्ति के लिये अहिंसा के मार्ग को चुना। इस दिन का ऐतिहासिक महत्व है इस दिन की याद आते ही उन शहीदों के प्रति श्रद्धा से मस्तक अपने आप ही झुक जाता है जिन्होंने स्वतंत्रता के यज्ञ में अपने प्राणों की आहुति दी. इसलिए हमारा पुनीत कर्तव्य है कि हम हमारे स्वतंत्रता की रक्षा करें, देश का नाम विश्व में रोशन हो, ऐसा कार्य करें. देश के प्रगति के साधक बने न कि बाधक।

चलो फिर से वह नजारा याद कर लें,
शहीदों के दिल में थी वो ज्वाला याद कर लें।
जिसमे बहकर आजादी पहुंची थी किनारे,
देश भक्तो के खून की वो धारा याद कर लें।।

इस देश के नागरिक होने के नाते हमारा ये फर्ज बनता है की घूस, जमाखोरी, कालाबाजारी, भ्रष्टाचार को देश से समाप्त करें.भारत के नागरिक होने के नाते स्वतंत्रता का न तो स्वयं दुरूपयोग करें और न दूसरों को करने दें जिस आजादी के लिए हमारे देश के लाखों वीर- सपूतों ने कुर्बानियां दीं, जिस आजादी की कल्पना करके उन्होंने अंग्रेजों के खिलाफ संघर्ष किया, क्या हम उस आजादी का मतलब समझते हैं? आजाद भारत के नागरिक तो हैं, लेकिन एक आदर्श नागरिक का जो कर्तव्य और आचरण होना चाहिए, क्या वह हमारे अंदर है? एक आजाद देश में हमें जो अधिकार मिले हैं, हम उसका सदुपयोग कर रहे हैं? अगर कर रहे होते, तो क्या आज आजादी के 76 सालों बाद हमारे देश की यह हालत होती? आखिर हमें आजादी क्या इसीलिए मिली है कि मौका मिलते ही हम नियम- कानून को अपने हाथ में लेकर अपनी मनमर्जी करें? अपनी सुख- सुविधाओं की खातिर दूसरों के अधिकारों का हनन करें? मौका मिलते ही जाति और धर्म के नाम पर एक- दूसरे के खून के प्यासे होकर दंगे करें? क्या हमारे लिए यही है आजादी का मतलब? क्या आजादी का मतलब राह चलती महिलाओं- लड़कियों के साथ छेड़छाड़ करना, अपने पड़ोसियों को परेशान करना, करप्शन को बढ़ावा देना है? क्या हमारे लिए आजादी के यही मायने हैं? आज आजादी की सालगिरह पर आइए हम जरा अपनी गिरेबां में झांकें और तय करें कि हमारे लिए आजादी का मतलब क्या है।

इतना ही कहना काफी नही भारत हमारा मान है।
अपना फर्ज निभाओ देश कहे हम उसकी शान है ।।

आजादी का मतलब यह नहीं है कि हमारे लिए संविधान में जो अधिकार मिले हैं, उसका हम दुरुपयोग करें। हमारे देश के संविधान निमार्ताओं ने हम अच्छे नागरिक के तौर पर या सभ्य नागरिक के रूप में रहें, इसलिए कानून बनाया है। लेकिन, आज कानून को अपने हाथ में लेकर अपनी मनमर्जी करना लोगों की फितरत बन गई है। कानून को तोड़ना लोग अपनी शान समझते हैं। मुहल्लों, कॉलोनीज, बस्तियों से लेकर रोड और गलियों तक में फैली गंदगी के लिए हमलोग रोना रोते हैं। इसके लिए नगर निगम, नगर पालिका और दूसरी संस्थाओं को ब्लेम करते हैं, लेकिन क्या कभी हम सोचते हैं कि जगह- जगह कूड़ा- कचरा फैलाने की आजादी हमें किसने दी है, हम कूड़ा- कचरा को उसकी निर्धारित जगहों पर क्यों नहीं फेंकते हैं? मौका मिलते ही लोग जहां- तहां कूड़ा- कचरा फेंक देते हैं। जबकि, हमें यह पता होता है कि ऐसा करना गलत है। फिर भी हम अपनी आदतों से बाज नहीं आते, बल्कि इसे अपनी आजादी समझते हैं। क्या वाकई यही है हमारे लिए आजादी का मतलब? इस स्वतंत्रता दिवस के मौके पर चलो हम आजादी की संकीर्ण सोच से ऊपर उठकर इसके असली मायने तलाशें, समझें। आजादी का अमृत महोत्सव मनाते हुए आज हमें शपथ लेनी चाहिये कि हम कल के भारत के एक जिम्मेदार और शिक्षित नागरिक बनेंगे। हमें गंभीरता से अपने कर्तव्यों को निभाना चाहिये और लक्ष्य प्राप्ति के लिये कड़ी मेहनत करनी चाहिये तथा सफलतापूर्वक इस लोकतांत्रित राष्ट्र को नेतृत्व प्रदान करना चाहिये।

दें सलामी इस तिरंगे को जिससे तेरी शान है।
सिर हमेशा ऊंचा रहे इसका, इसमें बसती हमारी जान है।।

डॉ. सुनील जैन संचय
ज्ञान-कुसुम भवन,नेशनल कान्वेंट स्कूल के सामने, गांधीनगर, नईबस्ती,ललितपुर 284403, उत्तर प्रदेश
मोबाइल, 9793821108
ईमेल- suneelsanchay@gmail.com
(आध्यात्मिक चिंतक व जैनदर्शन के अध्येता)

महावीर पब्लिक स्कूल में बिखरे देशभक्ति के रंग

जयपुर. शाबाश इंडिया। भारत की आजादी के 76 वर्ष संपूर्ण होने के उपलक्ष्य में देश भर में चल रहे ''**आजादी का अमृत महोत्सवर व रहर घर तिरंगा अभियान**'' के अंतर्गत 14 अगस्त को महावीर पब्लिक स्कूल सी- स्कीम, जयपुर में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन हुआ, जिसके अंतर्गत कक्षा 1 से 12 तक के विद्यार्थियों के लिए एक विशेष प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया, जिसमें कक्षा 9 व 10 के विद्यार्थियों ने तिरंगा के रंगों वाली वेशभूषा पहनकर भाषण,कविता,गायन आदि के माध्यम से देशभक्ति के प्रति उत्साह दिखाया। कक्षा 10 के छात्र ऋषिराज ने रए मेरे वतन के लोगोंर गाने की धुन को बांसुरी द्वारा बजाकर सभा में उपस्थित सभी लोगों को भावविभोर कर दिया। विद्यालय के प्रांगण में कक्षा 1 से 12 तक के छात्रों तथा अध्यापक-गणों ने हाथों में तिरंगे लिए देशभक्ति से युक्त गीतों पर झूम-झूम कर और तिरंगा फहराकर संपूर्ण वातावरण को देशभक्ति की भावना के रंगों से भर दिया। तत्पश्चात विद्यालय के मानद् मंत्री सुनील बख्शी, कोषाध्यक्ष महेश काला, संयोजक सुदीप ठोलिया एवं प्राचार्या श्रीमती सीमा जैन ने हरी झंडी दिखाकर कक्षा 1 से 8 व 10 के विद्यार्थियों को प्रभात फेरी के लिए रवाना किया। सभी बच्चों ने हाथों में तिरंगे लिए विद्यालय परिसर के चारों ओर चक्कर लगाकर, वंदे मातरम के नारे लगाते हुए चारों ओर देशभक्ति की भावना और प्रसारित की। प्राथमिक कक्षाओं के छोटे-छोटे बच्चे गालों पर तिरंगे के टैटू लगाकर और हाथों में झंडे लिए बहुत ही प्यारे लग रहे थे। छात्रों के साथ-साथ संस्था के सदस्यों, प्राचार्या तथा अध्यापक-गणों में भी देशभक्ति के प्रति उत्साह भरपूर था। कक्षा 1 से 5 के विद्यार्थियों के लिए ''आजादी का अमृत महोत्सव'' विषय पर पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन गया, जिसमें बच्चों ने तिरंगा बनाकर, स्लोगन लिखकर तथा भारत का नक्शा बनाकर देश के प्रति अपनी भावनाओं को व्यक्त किया।

नवागढ़ में हुआ वृहद स्तर पर वृक्षारोपण, पर्यावरण संरक्षण समारोह संपन्न

पंडित गुलाबचंद्र पुष्प जन्म शताब्दी कार्यक्रम के अन्तर्गत हुआ आयोजन। नवागढ़ की प्राचीन विरासत है ऐतिहासिक : पुलिस अधीक्षक मोहम्मद मुस्ताक

नवागढ़, ललितपुर. शाबाश इंडिया। पितामह पंडित गुलाबचंद्र पुष्प के जन्म शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में महरौनी विकासखंड में सोजना के पास स्थित प्रागैतिहासिक अतिशय क्षेत्र नवागढ़ में वृहद स्तर पर वृक्षारोपण का कार्यक्रम ब्र. जय कुमार जी निशांत भैया के निर्देशन में डॉक्टर ज्ञानचंद घुवारा की अध्यक्षता एवं पुलिस अधीक्षक ललितपुर मोहम्मद मुस्ताक के मुख्य आतिथ्य में, प्रतीक जैन जेल अधीक्षक टीकमगढ़,

सुश्री विनिता जैन डिप्टी कलेक्टर ग्वालियर, जैन पंचायत ललितपुर के अध्यक्ष अनिल अंचल एवं भाजपा जिलाध्यक्ष राजकुमार जैन चुना के विशिष्ट आतिथ्य में वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रचारमंत्री डॉ सुनील संचय ने बताया कि इस मौके पर श्री नवागढ गुरुकुलम के छात्रों के द्वारा पर्यावरण संरक्षण नाटिका संपन्न हुई जिसमें पर्यावरण को संरक्षित करने का संदेश दिया गया । पंडित गुलाब चंद पुष्प प्रतिष्ठाचार्य की पावन पुण्य स्मृति में उनके जन्म शताब्दी समारोह के अवसर पर वृक्षारोपण का कार्य संपन्न हुआ । जिसमें सभी अतिथियों ने वृक्षारोपण करने का सौभाग्य प्राप्त किया । इस मौके पर मुख्य अतिथि एसपी मोहम्मद मुस्ताक ने कहां कि यह मेरा सौभाग्य है कि ललितपुर जिले के इस ग्रामीण बीहड़ में इस प्रकार का एक क्षेत्र विकसित हो रहा है, यहाँ आकर सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और पुरातात्विक अनमोल धरोहर को देखने का अवसर प्राप्त हुआ । मेरी रुचि इतिहास में है सभी दर्शनों में जैन दर्शन अहिंसा का पोषक है, इसी उद्देश्य के साथ यहां पर्यावरण संरक्षण की कार्यशाला संपादित हुई है।

जेएसजी कैपिटल जयपुर द्वारा स्वतंत्रता दिवस पर ध्वजारोहण कविता कैंसर केअर सेंटर में

जयपुर. शाबाश इंडिया

जैन सोश्यल ग्रुप कैपिटल अपनी स्थापना के 24 वर्ष पूर्ण कर रजत जयंती वर्ष मे प्रवेश कर रहा है। इस अवसर पर जैन सोश्यल ग्रुप इंटरनेशनल फेडरेशन के स्थापना दिवस 17 अगस्त (फेडरेशन डे) के अवसर एवं नॉर्दर्न रीजन के आह्वान पर आयोजित आश्रय सेवा सप्ताह (13 से 20 अगस्त) के अंतर्गत 76 वा स्वाधिनता दिवस मंगलवार, 15 अगस्त 2023 को कविता कैंसर केअर सेंटर, विद्यासागर स्कूल के पास मे श्योपुर, प्रताप नगर, टोंक रोड,जयपुर पर कैंसर पीड़ित बच्चों के साथ मनाने का निर्णय किया है। कविता कैंसर केअर सेंटर मे 18 साल तक के बच्चे जो कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से पीड़ित है और अपने आपको रिकवर करने के लिये, अपने पैरेंट्स के साथ केन्द्र के स्वच्छ वातावरण मे जन सहयोग से रहते हैं । ग्रुप उपाध्यक्ष राजेंद्र - मेनका पांड्या के अनुसार इस कार्यक्रम के पुण्यार्जक ग्रुप अध्यक्ष अनिल - प्रेमा रावका के पिताजी महेंद्र-राजमती रावका होंगे। इस परोपकारी कार्य मे आप भी प्रातः 10 बजे तक कार्यक्रम स्थल पर पहुच कर कुछ समय बच्चों के साथ बिता कर पुण्य लाभ प्राप्त करे।

छोटे-छोटे संकल्प खोलते हैं मुक्ति का मार्ग: आर्यिका विशेष मति माताजी

जयपुर. शाबाश इंडिया

जनकपुरी ज्योतिनगर जैन मंदिर में रविवार को दर्शन हेतु जयपुर की विभिन्न कालोनियों से पधारे सैकडो भक्तों को आर्यिका विशेष मति माताजी ने अपने आशीर्वचन में कहा की बड़े नियम या संकल्प लेने की बजाय छोटे छोटे संकल्पों से शुरूआत करो इनसे ही मुक्ति की राह आसान होती है जो धर्म के मार्ग पर चलना भी सिखाती है। माताजी ने कहा की जैसे फूल खिलने से, सोना मृदुता से, मेघ बरसने से ही महान बनते है वैसे ही इन्सान जन्म से नहीं धर्म के साथ-साथ कर्म से महान बनता है। प्रबंध समिति अध्यक्ष ने पधारे दर्शनार्थियों का शाब्दिक स्वागत अभिनंदन किया तथा कहा की आर्यिका माताजी का यहाँ चातुर्मास होना जनकपुरी ज्योतिनगर समाज के लिए सोभाग्य की बात है। मन्दिर प्रबंध समिति ,महिला मण्डल पाठशाला संयोजक गण व युवा मंच तथा उपस्थित गणमान्य जनो ने साधु सन्तों के दर्शन हेतु आये यात्रा दल का भाव भीना स्वागत अभिनंदन किया ।

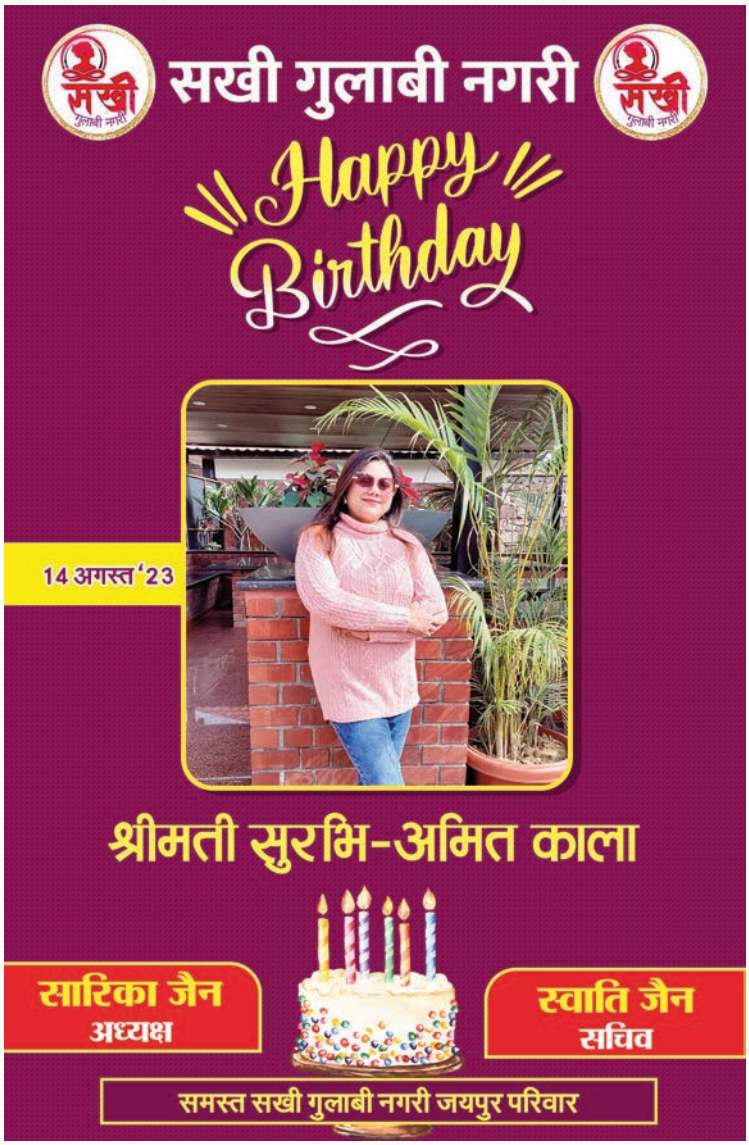

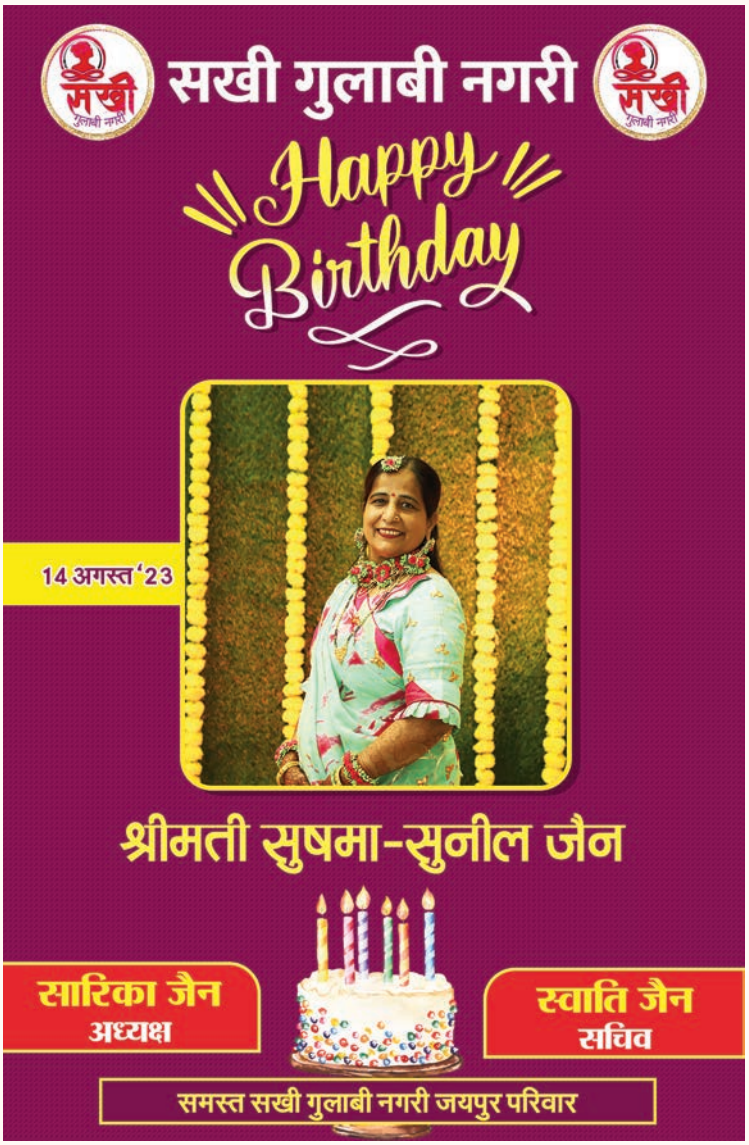

दुनिया मे देव अनेक अरिहंत देव का क्या कहना...

''मैरे भगवान महावीर श्रृंखला-2'' महा भजन संध्या का आयोजन।
भक्ति रस के साथ बही देश प्रेम की बयार, भजन संध्या के पांडाल मे लहराये तिरंगे

उदयपुर. शाबाश इंडिया

जैन सोशल ग्रुप मेवाड़ मारवाड रिजन की और से जीव दया और मेडिकल एक्यूपमेंट बैंक सहायता के उद्देश्य को सार्थक करने के लिए श्री कल्याणकारी चातुर्मास सेवा समिति के साझे मे महा भजन संध्या ह्यह्यमैरे भगवान महावीर श्रृंखला - 2ह्यह्य का आयोजन नगर निगम प्रांगण मे चल रहे चातुर्मास पांडाल मे राष्ट्र संत ललित प्रभ, राष्ट्र संत चन्द्र प्रभ एवं डॉ. मुनि शांतिप्रिय के सानिध्य मे हुआ। भजन संध्या मे बालोतरा के विश्व प्रसिद्व भजन एवं गायन सम्राट वैभव बागमार ने महावीर भजनों की ऐसी सुन्दर प्रस्तुतियां दी कि पांडाल मे मौजूद हर भक्त झूमने पर मजबूर हो गया। भजन संध्या का शुभारम्भ नमस्कार महामंत्र के साथ हुआ, जिसके बाद वैभव ने भजन संध्या मे ''दुनिया मे देव अनेको है, अरिहंत देव का क्या कहना...'' मैरे मन मे पारसनाथ तैरे मन मे पारसनाथ, रोम-रोम मे समाया पारसनाथ.....''मैरी सांसों मे समाया पारसनाथ, पत्ते-पत्ते मे लिखा है पारसनाथ...''झीणो-झीणों उडे. रे गुलाल, दादा थारी भक्ति मे...'' के साथ ही श्री नाकोड़ा भैरव नाथ के एक ये बढकर एक भजनों की प्रस्तुतियों से प्रभु भक्ति की एक सरिता बहाई की हर एक उस भक्ति की बयार मे झूम उठा।

आयोजकों संग जिला कलेक्टर भी भक्ति मे झूमे

गायक वैभव बागमार के भजनों की प्रस्तुति से जहां जैन सोशल ग्रुप मेवाड - मारवाड रिजन के पदाधिकारी भी नाचने झूमने पर मजबूर हो गये, तो वहीं रिजन के पदाधिकारियों एवं वैभव के आग्रह पर भजन संध्या के मुख्य अतिथि जिला कलेक्टर अरविंद पोसवाल ने भी कुछ देर के लिए भजनों पर झूम कर अपनी भक्ति को प्रकट किया। इस दौरान जिला कलेक्टर ने मुक्त कंठ से भजन संध्या एवं गायक वैभव बागमार की गायकी की प्रशंसा भी की।

कंधे पर उठाया जिला कलेक्टर को दिलाया संतो से आशीर्वाद

शहर के नव नियुक्त जिला कलेक्टर के प्रति आयोजको ने ऐसा सम्मान दिखाया की मंच पर बिराजे राष्ट्रीय संत से आशीर्वाद दिलाने के लिए रिजन के पदाधिकारी जिला कलेक्टर अरविंद पोसवाल को कंधें पर उठाकर मंच तक ले गये। इस दौरान समूचा पांडाल तालियों की गडगडाहट से जिला कलेक्टर के सम्मान मे गुंज उठा। जिला कलेक्टर ने भी संतों से हाथ जोडकर आशीर्वाद प्राप्त किया।

पांडाल मे निकाली तिरंगा रैली

महावीर भजनों के लिए सजी शाम के बीच भजन गायक वैभव बागमार ने माहौल को प्रभु भक्ति के साथ ही स्वतंत्रता दिवस आगमन की खुशी मे देश भक्ति भजनों की और जैसे ही परिवर्तित किया वैसे ही पांडाल का माहौल ही बदल गया। आयाजकों ने पांडाल मे ही तिरंगा रैली निकाली जिसका नेतृत्व जिला कलेक्टर ने हाथ मे तिरंगा थाम कर किया। उनके पिछे माइंनिंग डिप्टी डायरेक्टर ओपी जैन, नगर निगम एलएसजी डिप्टी डायरेक्टर कोशल कोठारी, देव स्थान उप आयुक्त जतिन गांधी, पूर्व न्यायाधीश महेन्द्र मेहता, नगर निगम उपमहापौर पारस सिंघवी, निर्माण समिति अध्यक्ष ताराचंद जैन, जेएसजी मेवाड मारवाड रिजन के चेयरमैन अनिल नाहर, आगामी चेयरमेन अरूण मांडोत, जेएसजी अन्तर्राष्ट्रीय के सुयंक्त सचिव मोहन बोहरा, ओपी चपलोत, आरसी मेहता, द लोटस काउंटी के धीरज पांचाल, शांतिराज हॉस्पीटल से डॉ. नरेश शर्मा और जेएसजी के पदाधिकारी शामिल हुए। कार्यक्रम के शुभारंभ पर जेएसजी मेवाड मारवाड रिजन पदाधिकारियों एवं भजन संध्या के सहयोगियों का मेवाडी पाग, माला उपरणा एवं भगवान महावीर की मूर्ति भेंट कर सम्मान किया गया। जेएसजी मेवाड़ - मारवाड़ त्रैमासिक बुलेटिन ''प्रतिबिम्ब'' का भी विमोचन अतिथियों द्वारा किया गया। अतिथियों का शाब्दिक स्वागत मेवाड़ मारवाड़ रीजन चेयरमैन अनिल द्वारा एवं धन्यवाद सचिव महेश पोरवाल द्वारा किया गया। भजन संध्या का संचालन आलोक पगारिया ने किया।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

महिलाओं के धार्मिक ज्ञान शिविर का हुआ समापन

भगवान को जन्म देने वाली नारी ही है: साध्वी प्रितीसुधा

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया

नारी घर को स्वर्ग भी बना सकती है,और घर को नरक भी रविवार को अहिंसा भवन शास्त्रीनगर मे महासती प्रितीसुधा ने महिलाओं के धार्मिक ज्ञान शिविर के समापन समारोहों मे सैकड़ों महिलाओं और श्रध्दांलूओ को धर्म संदेश देतें हुए कहा कि स्त्री में वो शक्ति और क्षमता है कि अगर वह चाहे तो घर को स्वर्ग बना दे और चाहे तो नर्क बना दे। मर्यादा और अनुशासन के बिना जीवन का निर्माण नहीं कर पाएगी। पुरुष को ऊंचाइयों तक पहुंचाने में किसी किसी महिला का हाथ जरूर होता है। हजारों शिक्षकों से ज्यादा एक मां ही ऐसी होती है जो बच्चे की परवरिश कर उसे संस्कार का निर्माण करती है नारी ने अपने त्याग, प्रेम सहिष्णुता सेवा आदि गुणों से मानव को अभिभूत किया है और विनाश के मार्ग पर जाने से नारी ही बचाती भी है। वह छाया की तरह पुरुष की संगिनी बनकर रहती है।माता,बहन तथा पुत्री बनकर अपने कर्त्तव्य धर्म को निभाती है । नर और नारी दोनों रथ के दो पहियों के समान हैं। बिना दोनों के सहयोग से आगे बढ़ना मुश्किल है। घर और समाज मे जितना पुरूष का योगदान रहता उससे कही ज्यादा स्त्री का योगदान रहता है। पुरुष जहा शस्त्र से काम लेता है,वहा स्त्री अपने कौशल से काम करती है। पुरुष के पास दृष्टि होती है तो नारी के पास अंतदृष्टि। भगवान को जन्म देने वाली भी नारी थी। नारी का सम्मान होगा तभी राष्ट्र और घर उत्थान हो सकता है । महिला मंडल की मंत्री रजनी सिंघवी ने बताया कि आध्यमिक ज्ञान शिविर समापन समारोहों की अध्यक्षा उमा-हेमन्त आंचलिया मुख्य अतिर्थी मंजू -अशोक पोखरना विशिष्ट अतिथि संजुलता-लक्ष्मणसिंह बाबेल एवं बलवीर देवी चौरड़िया तथा दया व्रत समापन ज्ञान शिविर के लाभार्थी परिवार सब्बरदेवी,लक्ष्मणसिंह संजुलता अनुराग,एकता बाबेल आदि सभी अतिथीयो का चंदनबाला महिला मंडल शास्त्री नगर कि अध्यक्षा नीता बाबेल,सुनीता झामड़,मंजु बाफना अंजना सिसोदिया, वंदना लोढ़ा,सरोज मेहता,आशा संचेती रश्मि लोढ़ा संतोष सिंघवी,लाड़ मेहता,अनु बाफना,कोमल सालेचा,लता कोठारी आशा रांका,मीना कोठारी,ममता रांका,अंतिमा सांड,दिलकुश डागलिया,स्नेहलता बोहरा कांता साँखला कमलेश चोपड़ा,मीना डाँगी,पुष्पा सुराना, प्रमिला कोचेटा, मंजू चपलोत आदि सभी महिला मंडल की सदस्यों द्वारा समापन शिविर के अतिथीयो को साध्वी मंडल के सानिध्य मे शोल माला मोमेंट तो देकर सम्मानित किया गया। समारोहों के प्रारंभ मे सामूहिक रूप से महामंत्र नवकार का जाप किया। ज्ञान शिविर मे भाग लेने वाली सभी महिलाओं को पारितोषिक दिये और अंत मे नीता बाबेल ने समापन समारोह पधारे अतिथीयो और बहनो का आभार व्यक्त करते हुए मंडल की बहनों को बधाई दी।

प्रवक्ता निलिष्का जैन
अहिंसा भवन
शास्त्री नगर भीलवाड़ा

आया सावन झूम के मनाया

जयपुर. शाबाश इंडिया

अग्रवाल समाज सेवा समिति जगतपुरा महिला मण्डल द्वारा लहरिया उत्सव गोराँग पेरेडाइज जगतपुरा पुलिया के पास मनाया गया। आया सावन झूम के लहरिया महोत्सव कार्यक्रम सयोजीका अनीता फतेहपुरिया, मीनू अग्रवाल, ज्योति गोयल ने बताया की कार्यक्रम , इसमें लहरिया थीम पर सभी कार्यक्रम आयोजित किए गए, मुख्य कार्यक्रम प्रबंधक सैफाली जैन ने जानकारी दी की आने वाली सभी महिलाओ व विजेता प्रतिभागियो को इनाम दिए गए इसमें इस कार्यक्रम शैलेश अग्रवाल, संगीता सिंघल, गौरी जैन, रीना गर्ग, विधि अग्रवाल, नीलम सेकरा, कुसुम अग्रवाल, शामिल थे ।

विलासिता तन को शक्ति विहीन बना देती है : साध्वी मनोहर श्री जी

अनिल पाटनी. शाबाश इंडिया

अजमेर। जहा भी विलासिता का उल्लास होता है वहाँ सभी सद्गुणों का विनाश होता है विलासिता मन को भक्तिहिन ,तन को शक्तिहीन और जीवन को विरक्ति विहीन बना देती है विलासिता का त्याग संकल्प शक्ति से ही संभव है। मनुष्य जब सदाचारी और सन्स्कारी होगा तभी वह विकारों से मुक्त हो सकता है। उक्त विचार शासन ज्योति शतावधानी साध्वी मनोहर श्री जी महाराज सा ने रविवार को खरतरगच्छाचार्य श्री जिन्दत्त सुरी दादाबादी मे पर्युषण महापर्व के प्रथम दिवस पर आयोजित अष्तान्हिका प्रवचन के दौरान व्यक्त किए। धर्म सभा को साध्वी निरंजना श्री जी काव्या प्रभा श्री जी और डॉ. स्मित प्रज्ञा श्री जी ने संबोधित करते हुए पर्युषण महापर्व के आठ दिनो में जप और तप सामूहिक के स्नात्र पूजा और परमात्मा की भक्ति में डूब जाने का आव्हान किया। रेखब सुराणा ने बताया कि दादावाड़ी में सोमवार से बारह सो कल्प सूत्रों का वचन प्रारंभ होगा जो संवत्सरी महापर्व के दिन मूल सूत्र वाचन के साथ संपन्न होगा। दादावाड़ी में प्रतिदिन प्रातः सामूहिक संगीतमय स्नात्र पूजा रात्रि में दादा गुरुदेव की भक्ति भव्य आंगी रचना और साय कालीन प्रतिक्रमण प्रारंभ हो गए हैं। साध्वी काव्या श्री जी ने धर्मसभा में स्नात्र पूजा का महत्व बताते हुए श्रावक श्राविका से स्नात्र पूजा मे प्रत्येक परिवार को उपस्थिति रहने की बात की रविवार को दादावाड़ी में छोटे छोटे बालक बालिकाओं ने स्नात्र पूजा कर प्रवचन का लाभ उठाया धर्मसभा में विक्रम पारख, सुशील वैद , अनिल धारीवाल, नरेंद्र लालन, नीलम लुनिया और पार्षद मंजू सुराणा जयदीप पारख, प्रो. नरेंद्र कोठारी, महेन्द्र लुनिया, सज्जन राज बुरड़, डा. प्रिया नीता सहित सैकड़ों धमार्नुआयी उपस्थित थे ।

मैत्री ट्रेड फेयर सम्पन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया। दिगंबर जैन सोशल ग्रुप मैत्री जयपुर के द्वारा दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन व राजस्थान रीजन जयपुर के तत्वावधान मे श्री चंद्रप्रभ दिगंबर जैन मंदिर, दुगार्पुरा प्रांगण में मैत्री ट्रेड फेयर दिनांक 11 से 13 अगस्त 2023 आयोजित किया गया, जिसमें प्रतिदिन हजारों व्यक्तियों द्वारा जमकर खरीददारी की गई। फेयर का उद्घाटन 11 अगस्त को दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीर जी के अध्यक्ष सुधांशु कासलीवाल व महावीर शिक्षा परिषद के अध्यक्ष उमराव मल सांघी ने किया। इस फेयर में फेडरेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री राकेश विनायका, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष अतुल बिलाला, इंदौर से पधारे राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष कीर्ति पांड्या, राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष नवीन सेन जैन, यशकमल अजमेरा, रीजन अध्यक्ष राजेश बड़जात्या, महासचिव निर्मल सांघी, सुनील बज, सुरेश बांदीकुई सहित सभी ग्रूपों के अध्यक्ष, सचिव, पदाधिकारी व सदस्य उपस्थित थे।

धुलियान में रक्तदान शिविर का आयोजन

धुलियान मुर्शिदाबाद पश्चिम बंगाल. शाबाश इंडिया

स्वाधीनता का 77 वां आजादी अमृत महोत्सव दिवस मनाने के पूर्व एवं वर्तमान शासन नायक भगवान महावीर स्वामी के निर्वाण के 2550 वें वर्ष में जनकल्याण के निमित्त ''स्वेच्छा रक्तदान शिविर'' का आयोजन मुर्शिदाबाद जिला दिगंबर जैन समाज द्वारा 13 अगस्त (रविवार) को सुबह 11 बजे से जैन कॉलोनी, धुलियान में किया गया। जिसमें मुर्शिदाबाद जिला के मुख्य प्रशासनिक अधिकारि व जिला के मुख्य निर्वाचित जनप्रतिनिधि आदि उपस्थित थे। भगवान महावीर की अहिंसामय अमर वाणी जिओ और जिने दो पर आधारित इस वर्ष का हम सभी का जनकल्याण का यह प्रथम उद्योग व अनुभव रहा, रक्तदान महादान के तहत करीब 40 लोगोने अपना रक्तदान किया । मुर्शिदाबाद जिला के 9 गांव एकसूत्र में जुड़े हुए है जो हम जैनीयो के लिए गर्व का विषय है, लक्ष्य है 9 गाँव में शिविर लगाकर 100 युनिट रक्त संग्रह करना, मुर्शिदाबाद जिला दिगंबर जैन समाज के अध्यक्ष- मनोज जैन छाबड़ा व महामन्त्री- मनोज जैन बड़जात्या ने काफी मेहनत की तथा ताराचन्द जैन सेठी, साहिल जैन झाँझरी व जिला के अनेक गणमान्य उक्त शिविर में उपस्थित थे ।महिला समाज ने भी रक्तदान शिविर में उत्साह के साथ हिस्सा लिया, विदित हो धुलियान में आर्यिका विन्ध्य श्री माताजी ससंघ का चातुर्मास धर्म प्रभावना के साथ चल रहा है। आयोजन सब मिलाकर सफल रहा....संजय कुमार जैन बड़जात्या धुलियान मुर्शिदाबाद पश्चिम बंगाल

वैश्य महिला परिषद एवं वसुधा संस्थान द्वारा राखी एवम लाइफस्टाइल एग्जिबिशन का आयोजन किया

जयपुर. शाबाश इंडिया। वैश्य महिला परिषद एवं वसुधा संस्थान द्वारा राखी एवं लाइफस्टाइल एग्जिबिशन का दो दिवसीय आयोजन जनता कॉलोनी स्थित सामुदायिक केंद्र में किया गया। आदर्श नगर विधायक रफीक खान , डॉ अलका गुर्जर प्रदेश सचिव एवं सह प्रभारी दिल्ली प्रदेश भाजपा, अंतर्राष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन राजस्थान प्रभारी ध्रुव दास जी अग्रवाल महामंत्री गोपाल गुप्ता ,पूर्व मेयर एवं अंतर्राष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष ज्योति खंडेलवाल,अंतर्राष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन प्रदेश सचिव चारू गुप्ता कोषाध्यक्ष साधना गर्ग , अंतराष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन जयपुर जिला अध्यक्ष मीना जैन चौधरी, वैश्य महिला परिषद अध्यक्ष हेमलता अग्रवाल, अध्यक्ष सुमन राठी ने किया। जिला परिषद एवं वसुधा संस्थान की बहुत सी महिला कार्यकारिणी सदस्य एवं कार्यकर्ताओं की उपस्थिति रहीं। इस एग्जीबिशन का उद्देश्य महिलाओं के सशक्तिकरण को बढ़ावा देना था ।

चावल पर सूक्ष्म लेखन कर कलाकृति बनाने में दक्ष जयपुर की कलाकार निरू छाबड़ा ने स्वतंत्रता दिवस पर चावल पर लिखा है "सर्व धर्म समभाव हमारी ताकत, विविधता हमारी पहचान, तिरंगा हमारी आन बान शान, लोकतंत्र हमारा बेमिसाल।

स्वतंत्रता दिवस पर हार्दिक बधाई

समझदारी से समय का उपयोग करें : गुरु माँ विज्ञाश्री माताजी

गुंसी, निवाई. शाबाश इंडिया। श्री दिगम्बर जैन सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ गुन्सी , जिला - टोंक (राज.) के तत्वावधान में गणिनी आर्यिका रत्न विज्ञाश्री माताजी के ससंघ सान्निध्य में शांतिधारा करने का सौभाग्य बबली जैन के जन्मदिन के उपलक्ष्य में राजेंद्र देवली, चितरंजन दूनी, भागचंद पाटनी , पद्मचन्द जी पाटनी विवेक विहार वालों ने प्राप्त किया। श्री शांतिनाथ महामण्डल विधान का अवसर लादूलाल चाकसू वालों को मिला। गुरु माँ ने उपस्थित सभी श्रद्धालुओं को संबोधन देते हुए कहा कि - जीवन को समझने के लिए समय को समझना और समय की अनुकूल परिस्थिति को जीना चाहिए। समझदारी से अगर समय का उपयोग करोगे तो प्रतिकूल समय में भी आप मस्त रहोगे। नासमझी से तो अनुकूल समय भी बरबादी का कारण बन जाता है। समय की समझ, समय का बोध, समय की चेतना तो हर व्यक्ति को होना ही चाहिये।

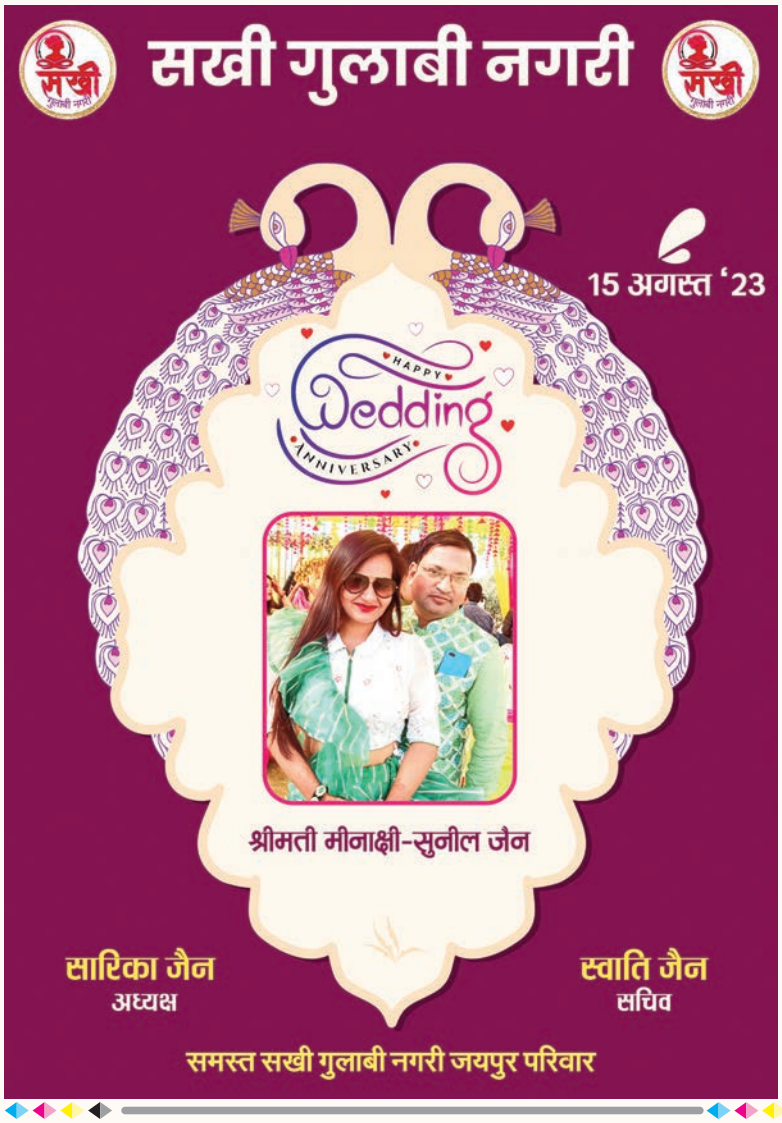

समाज हित में कार्य करने वालों को मिलता है सम्मान: प्रदीप जैन PNC

24-25 दिसम्बर को सोनागिर में होगा परिचय सम्मेलन। जैसवाल जैन समूह का राष्ट्रीय अधिवेशन संपन्न

मनोज नायक. शाबाश इंडिया

आगरा । समय परिवर्तनशील है । हर 25 साल बाद लोगों की मानसिकता बदल जाती है । समय व बदली हुई मानसिकता के साथ प्रत्येक व्यक्ति को सामाजिक कार्यों में अपना योगदान देना चाहिए । समाज सेवा करने वाले व्यक्तियों को स्वतः ही सम्मान और इज्जत मिलती है । 24-25 दिसम्बर को सोनागिर परिचय सम्मेलन के पश्चात होने वाले सामूहिक विवाह की सम्पूर्ण जिम्मेदारी सेवा न्यास परिवार उठाने को तैयार है । उक्त विचार पी एन सी ग्रुप के डायरेक्टर एवम सेवा न्यास के अध्यक्ष प्रदीप जैन आगरा ने अविवाहित प्रतिभाएं प्रस्तुति समूह के राष्ट्रीय अधिवेशन के दौरान निर्मल सदन आगरा में क्षेत्रीय संयोजकों को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। सर्वप्रथम एम डी जैन कॉलेज आगरा में चतुर्मासरत मुनिपुगंव सुधासागर महाराज एवम छीपीटोला में चतुर्मारत मुनिश्री साक्ष्यसागर महाराज के श्री चरणों में परिचय सम्मेलन के पोस्टर का विमोचन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ पंडित ऋषभ जैन शिवपुरी के मंगलाचरण से हुआ ।चित्र अनावरण महेशचंद जैन सूरत एवम दीप प्रज्वलन प्रदीप जैन पीएनसी आगरा, सीए कमलेश जैन गुरुग्राम, सीए अजय जैन दिल्ली, जगदीशप्रसाद जैन संपादक, मनोज जैन कोटा आदि ने किया ।समूह के संयोजक अजय जैन शिवपुरी ने संस्था की प्रगति रिपोर्ट का वाचन किया । जैसवाल जैन परिणय ऐप के रचनाकार रूपेश जैन दिल्ली ने परिणय ऐप के संदर्भ में विस्तृत विवेचना प्रस्तुत करते हुए उपस्थित क्षेत्रीय संयोजकों की शंकाओं का समाधान किया । छीपीटोला आगरा के उदयीमान नक्षत्र युवा गीतकार अखिलेश जैन ने शानदार काव्य पाठ की प्रस्तुति देकर सभी का मन मोह लिया। इस अवसर पर समूह के परम संरक्षक सीए कमलेश जैन ने कहा कि सभी क्षेत्रीय संयोजकों की लगन एवम मेहनत अवश्य ही समाज के लिए एक उदाहरण प्रस्तुत करेगी । आप सभी के दिल में समाज के लिए कुछ करने की ललक है, तभी आप सब यहां एकत्रित हुए हैं । आपको इस समाज हितेषी कार्य में महिलाओं को भी जोड़ना चाहिए । सन्मति फाउंडेशन के संस्थापक अध्यक्ष महेंद्र जैन मधुवन ने कहाकि अविवाहित प्रतिभाएं प्रस्तुति समूह एक छोटासा पौधा था, जो आज विशाल बट वृक्ष का रूप ले चुका है । मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि समाजहित में किए जा रहे कार्यों के लिए आपको किसी भी प्रकार की कोई दिक्कत नहीं आएगी । हम सभी तन मन धन से आपके साथ हैं । जैसवाल जैन जागरण के प्रधान संपादक जगदीशप्रसाद जैन, संरक्षक मनोज जैन कोटा, मनोज जैन तेहरा आगरा सहित अनेकों बक्ताओं ने क्षेत्रीय संयोजकों को संबोधित किया। कार्यक्रम के प्रथम सत्र में सम्पूर्ण भारतवर्ष की विभिन्न शैलियों से पधारे हुए एक सैकड़ा से अधिक क्षेत्रीय संयोजकों ने स्व परिचय दिया। तत्पश्चात क्षेत्रीय संयोजकों का खुला अधिवेशन हुआ । सभी ने गंभीरता पूर्वक विचार विमर्श करने के पश्चात समाज के विवाह योग्य बच्चों के परिचय एकत्रित करने, परिचय पुस्तिका प्रकाशित करने एवम 24/25 दिसम्बर को श्री सिद्धक्षेत्र सोनागिर में परिचय सम्मेलन आयोजित करने सहित समाजोत्थान के लिए अनेकों प्रस्ताव स्वीकार किए। द्वितीय सत्र में सभी क्षेत्रीय संयोजकों, पधारे हुए अथितियों का सम्मान किया गया । कार्यक्रम का सफल संचालन समूह के संयोजक रविंद्र जैन जमूसर भोपाल ने एवम आभार प्रदर्शन मीडिया प्रभारी महेंद्र जैन भैयन शिवपुरी ने किया ।सभी के लिए सुरुचिपूर्ण चाय नाश्ता एवम भोजन की व्यवस्था पी एन सी परिवार आगरा की ओर से की गई थी । आगरा शैली के युवा साथियों द्वारा सभी का भावभीना स्वागत किया गया। अविवाहित प्रतिभाएं प्रस्तुति समूह के क्षेत्रीय संयोजकों के प्रथम राष्ट्रीय अधिवेशन में कोलकाता, अजमेर, मुरेना, अम्बाह, शिवपुरी, दिल्ली, भोपाल, हरिद्वार, इंदौर, कस्वाथाना, राजाखेड़ा, धौलपुर, डबरा, अशोकनगर, कोटा, शमशवाद, गोहद, फिरोजावाद, मुरार, लश्कर, ग्वालियर, मनियां, सूरत, करैरा, नरवर, नोएडा, पोहरी, गुरुग्राम, हिंडौन सिटी, आगरा से छीपीटोला, पत्तल गली, ओल्ड ईदगाह, कमलानगर सहित विभिन्न शैलियों के क्षेत्रीय संयोजक गण सैकड़ों की संख्या में उपस्थित थे ।

जैन सोशल ग्रुप कुचामन के नए पदाधिकारी मनोनीत

झांझरी अध्यक्ष पहाड़िया सचिव झांझरी कोषाध्यक्ष

जयपुर. शाबाश इंडिया। जैन सोशल ग्रुप के द्विवर्षीय चुनाव कोषाध्यक्ष विपिन पहाड़िया की अध्यक्षता में निंविरोध चुनाव सम्पन्न हुए। भावंता फार्म हाऊस, इन्डाली रोड़ पर चुनाव में निम्न पदाधिकारीयों का निंविरोध चुना गया जिसमें अध्यक्ष पद के लिए विनोद झांझरी, उपाध्यक्ष अमित पहाड़िया, सचिव रोबिन पहाड़िया, उपसचिव अमित पहाड़िया कोषाध्यक्ष दिलीप झांझरी, प्रचार मंत्री संजय सेठी, मनीष पाटनी, सांस्कृतिक मंत्री गौरव पाटनी को सर्व सम्मति से मनोनीत होने पर प्रवीण गंगवाल, राजकुमार सेठी, अशोक कुमार अजमेरा, सचिन गंगवाल, कैलाश चन्द संजय, मनोज पाण्ड्या द्वारा माला पहनाकर स्वागत किया गया। नये बने सदस्य विपुल गंगवाल, निखिल पहाड़िया, दीपक झांझरी, सुमित झांझरी, आशीष गंगवाल, रितेष अजमेरा, अजित पान्ड्या, मोहित गंगवाल, राजेष गंगवाल, मनोज अजमेरा, उत्कर्ष पहाड़िया का माला द्वारा स्वागत करते निर्मल पाण्ड्या, अजित पहाड़िया, अनिष अजमेरा, विषाल पहाड़िया, दीपक झांझरी। प्रातःकाल पुरानी नशियाँजी में विरेन्द्रकुमारजी सौरभ कुमार जी पहाड़िया के द्वारा पार्श्वनाथ विधान भक्ती के साथ किया गया। जिसमें सभी सदस्यों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।

देश की स्वतंत्रता में जैन धर्म एवं जैन धर्मावलंबियों का योगदान

दे दी हमें आजादी बिना खड़ग बिना ढाल, साबरमती के संत तूने कर दिया कमाल...

यह सर्व विदित है कि 76 वर्ष पूर्व देश को स्वतंत्रता जैन धर्म के अहिंसा व सत्य के सिद्धांत की पालना करने से ही प्राप्त हुई है । गांधीजी पर अहिंसा का प्रभाव बचपन से पड़ गया था । बचपन में ही उनके अंदर जैन संस्कार थे। उनकी माता सूर्यास्त से पूर्व भोजन करती थी । गांधी जी को पढ़ाई के लिए विदेश भेजना था। उनके माता-पिता ने जैन गुरु से पूछा तब जैन गुरु ने उन्हें वहां जाकर नशा, अंडा, मीट व पराई स्त्री से दूर रहने का नियम दिलाया। विदेश में उन्हें लोगों द्वारा काफी भटकाने की कोशिश करने के उपरांत भी वे अपने नियम पर अड़े रहे। उन्हें विदेश में धर्म परिवर्तन करने के लिए भी कहा गया। फिर महात्मा गांधी ने जैन भाई राय चंद जिन्हें जैन धर्म के सिद्धांतों की गहन जानकारी थी, उन्हें समाधान के लिए 50-60 प्रश्न भेजकर उनका उत्तर जानना चाहा। गांधी जी के, उनके उत्तर से, सभी संदेह दूर हो गए तथा धर्म परिवर्तन नहीं किया। गांधी जी जन्म से नहीं कर्म से जैन थे। अंततोगत्वा महात्मा गांधी के अहिंसात्मक आंदोलन के कारण ही अंग्रेजों को भारत छोड़ना पड़ा और स्वतंत्रता की प्राप्ति हुई। अहिंसा के बल पर ही वह आज राष्ट्र पिता के नाम से जाने जाते हैं। भारत के स्वतंत्रता संग्राम मे देश के सभी धर्मावलंबियों ने जेल की यातनाएं सहकर एवं बलिदान देकर भारत को स्वतंत्रता दिलाने में सहयोग दिया । जैन धर्मावलंबी भी देश की स्वतंत्रता संग्राम में अग्रणी रहे है । जैन धर्मावलंबियों ने भी स्वतंत्रता के इस महायज्ञ में अपना सर्वस्व समर्पण किया है एवम लगभग २० जैन शहीदों ने अपने प्राणों का बलिदान दिया। ग्वालियर नरेश के खजांची अमर शहीद अमरचंद जी बांठिया ने खजाना खोलकर स्वतंत्रता के प्रहरियों की सहायता की। बहादुरशाह जफर के दोस्त लाला हुकमचंद जैन व उनके भतीजे फकीरचंद जैन को उन्हीं के मकान के आगे फाँसी पर लटका दिया । इसी तरह मोतीचंद शाह, उदयचंद जैन, साबूलाल जैन, अर्जुनलाल सेठी जैसे अनेक क्रांतिकारी सेनानियों के कारनामों से इतिहास भरा पड़ा है। डॉ. कपूरचंद जैन एवं डॉ. श्रीमती ज्योति जैन ने इस संबंध में खोजबीन की है और उन्होंने भरसक प्रयत्न किया है उन जैन वीरों को खोजने का जिन्होंने स्वतन्त्रता संग्राम में अपनी आहुति दी है। स्वतंत्रता सेनानी पंजाब केसरी लाला लाजपतराय की दादी जैन धर्मावलंबी थी और वह किसी साधु को भोजन कराये बिना स्वयं भोजन नहीं करती थीं। जैन पत्रकारिता के पितामह बाबू ज्योतिप्रसाद जैन द्वारा जैन प्रदीप में 1930 में भगवान महावीर और गांधीजी नामक उर्दू में छपे लेख से अंग्रेज इतना डर गये थे कि उन्होंने इस समाचार पत्र की सारी प्रतियाँ ही जब्त कर ली थी और इसके प्रकाशन पर रोक लगा दी गई थी। प्रसिद्ध साहित्यकार कल्याण कुमार शशि तथा श्यामलाल पाण्डवीय की पुस्तक और पत्रिका भी जब्त कर ली गई थी। इस तरह अनेक जैन पत्र पत्रिकाओं के माध्यम से जैन स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों ने आजादी के यज्ञ में तन–मन–धन, साहित्य तथा क्रांतिकारी विचारों से समर्पण भाव से सहयोग दिया। पं. बंशीधरजी व्याकरणाचार्य, पं. फूलचंद जी सिद्धांत शास्त्री, पं. खुशालचंदजी गोरावाला जैसे प्रसिद्ध विद्वानों ने भी जेल की कठिन यातनाएँ सहन की थी। लगभग 5 हजार से भी अधिक जैन धर्मावलंबी जेल गये और सैकड़ों जैनियों ने जेल से बाहर रहकर तन–मन–धन से बढ़ चढ़कर यथा संभव सहयोग दिया । कोई जेल जाकर, कोई बाहर रहकर तथा कई ने आर्थिक सहयोग देकर इस आंदोलन को सशक्त बनाया। इतना ही नहीं, जैन महिलाओं ने भी स्वतंत्रता के इस आंदोलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। खास बात यह रही कि जैन स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों ने जेल में रहकर तथा अनेक यातनाएँ सहन करते हुए भी अपने जैनत्व के संस्कार को नहीं छोड़ा। स्वतंत्रता सेनानी सनावद के कमलचंद जैन एडवोकेट का देवदर्शन बिना भोजन नहीं करने का नियम था। दशलक्षण पर्व के दिनों में वह जेल में थे, उन्होंने अनशन कर दिया तथा जेल में ही प्रतिमाजी लाने की अनुमति मिली। वे प्रतिदिन अभिषेक पूजन के साथ दोपहर को तत्वार्थसूत्र का पाठ करते और संध्या को सामायिक अपने अन्य जैन साथियों के साथ करते थे। भोजन भी अपने हाथों से बनाकर शुद्ध भोजन दिन में एक बार करते थे। इसी तरह 1943 में इन्दौर के सेण्ट्रल जेल में म.प्र. के पूर्व मुख्यमंत्री श्री मिश्रीलाल गंगवाल भैयाजी तथा पद्मश्री बाबूलालजी पाटोदी ने भी जेल में ही रहकर सारी दैनिक क्रिया पर्व के अनुसार करते हुए तथा शुद्ध भोजन करते हुए पर्व मनाया। महान क्रांतिकारी अर्जुनलाल सेठी ने बेलूर जेल में 56 दिनों तक निराहार व्रत करते हुए दर्शन– पूजन के लिये जिनेन्द्र प्रतिमा नहीं दिये जाने का विरोध किया। जैन जाग्रति का शंखनाद करने वाले तथा अनेक जैन पत्र पत्रिकाओं का संपादन करने वाले श्री अयोध्या प्रसाद गोयलीय के पिता श्री रामशरणदास जी ने भी जेल में रहकर 6 माह तक केवल नमक को पानी में घोलकर रोटी इसलिये खाई, क्योंकि जेल में मिलने वाली सब्जी में प्याज रहता है था, उनके मौन सत्याग्रह की आखिर में विजय हुई तथा बिना प्याज की सब्जी इनके लिये अलग से बनने की जेल अधिकारियों ने मंजूरी दी। अत्याचार कलम मत सहना, तुझे कसम ईमान की जैसी क्रांतिकारी रचना के कारण प्रसिद्ध कल्याण कुमार शशि जो कभी विद्यार्थी नहीं रहे, कोई डिग्री जिन्होंने प्राप्त नहीं की, उन पर एक अंग्रेज एस.पी. पर बम फैकने के अपराध में रावलपिण्डी और कश्मीर की जेलों में यातना सहना पड़ी। मध्यभारत के प्रथम मुख्यमंत्री श्री लीलाधरजी जोशी मंत्रिमण्डल में केबिनेट मंत्री रहे इन्दौर के कुसुमकान्त जैन को जब क्रांतिकारियों ने बम ले जाने और आग लगाने के निर्देश दिये तो उन्होंने यह कहकर मना कर दिया कि मैं जैनी हूँ, हिंसा का काम नहीं करूँगा। इसी तरह गोवर्धन दास जी जैन आगरा में रहकर स्वतंत्रता संग्राम के दौरान जैन संस्कारों का स्वयं पालन किया करते थे तथा अन्य जैन साथियों को भी प्रेरणा देते थे। खजुराहो के निकट गाँव में पैदा हुए शहीद छोटेलालजी जैन के साथ जब जेल में खाने पीने की जबरदस्ती की गई तो उन्होंने अनशन करते हुए अपना दृढ़ निश्चय का सिंहनाद किया कि जब तक छना पानी और शुद्ध भोजन नहीं मिलेगा तब तक एक बूँद भी अन्न जल ग्रहण नहीं करूँगा। अंततः शासन को झुकना पड़ा। जबलपुर के पनागर में जन्मे सिंघई जवाहरलाल जैन का वाक्या भी कुछ ऐसा ही है। दश लक्षण पर्व में वे अपने 40–50 जैन साथियों सहित जेल में थे, उन्होंने जेल में इस बात को लेकर सत्यग्रह किया कि पर्व के दिनों में अपने हाथ से बना शुद्ध भोजन ही ग्रहण करेंगे, जिसमें उन्हें सफलता प्राप्त हुई और दसों दिन पर्व में पूजन भजन के साथ सात्विक भोजन ही किया। पन्ना दमोह क्षेत्र से सांसद रहे प्रसिद्ध सामाजिक राजनीतिक पदों को सुशोभित करने वाले श्री डालचंद जैन ने स्वतंत्रता आंदोलन में शरीक उन सभी जैन सेनानियों की जेल में शुद्ध भोजनादि की व्यवस्था की। आचार्य नेमिसागर महाराज ने भी गृहस्थ अवस्था में स्वाधीनता आंदोलन में सक्रिय सहयोग दिया था। ग्यारह माह तक लाहौर जेल में रहे, जेल की अशुद्ध रोटी नहीं खाई। कई दिनों तक उपवास किया। अंत में शुद्ध भोजन की व्यवस्था हुई। इसी तरह क्षुल्लक पदमसागर जी महाराज ने भी गृहस्थ अवस्था में स्वतंत्रता संग्राम में सक्रिय सहयोग दिया। उन्हें बड़ौदा में 144 धारा तोड़ने के कारण जेल जाना पड़ा। जैन समाज के प्रख्यात विद्वान पं. परमेष्ठीदास जी भारत छोड़ो आंदोलन में सक्रिय रहते हुए जेल गये। 20वीं सदी के अग्रगण्य जैन विद्वानों में पं.फूलचंद जी शास्त्री का नाम आदर से लिया जाता है। वे भी ललितपुर में गिरफ्तार हुए और जेल गये। वे विदेशी वस्त्र एवं सामग्रीयों का उग्रतापूर्वक बहिष्कार करते थे स्वयं देशी वस्त्र पहनते थे, एक विदेशी विद्वान के यह पूछने पर कि जैन धर्म को अन्य धर्मों से अलग किस तरह से समझा जाये, तो उन्होंने उत्तर दिया कि व्यक्ति स्वतंत्रता जैन धर्म का उद्देश्य है और स्वावलम्बन उसकी प्राप्ति का मार्ग है। जैन दर्शन के उद्भट विद्वान पं.बंशीधर जी व्याकरणाचार्य भी इस मातृभूमि को स्वतंत्रता दिलाने में पीछे नहीं रहे। युवाअवस्था से ही आप देश सेवा के यज्ञ में सक्रिय रहे। सागर, नागपुर, अमरावती आदि जेलों की यातनाओं में भी उनके जैनत्व के संस्कार अपराजेय ही रहे।पद्म श्री बाबूलाल जी पाटोदी समाज के सम्मानित और प्रतिभावान नेता तो रहे ही हैं, स्वतन्त्रता आंदोलन में 1939 से ही सक्रिय हो गये थे और अपने जीवन में अनेक बार जेल की दारुण यातनाएँ सहनी पड़ीं। इन्दौर के तत्कालीन मध्यभारत के मुख्यमंत्री रहे मालवा के गांधी के नाम से प्रसिद्ध श्री मिश्री लाल जी गंगवाल भैय्याजी ने अनेक आंदोलनों में हिस्सा लिया तथा जेल यात्राएँ भी की। वे आध्यात्मिक भजनों के विनोदी थे। धार्मिक सभाओं के अलावा राजनीतिक सभाओं में भी अपने भजनों से सुनने वालों को मंत्रमुग्ध कर देते थे। उनके जीवन की घटनाओं के अनुसार वे कट्टर शाकाहारी थे। इस नियम का राजनीतिक उच्च पद पर रहकर भी कितनी दृढ़ता से पालन करते थे, वह स्तुत्य एवं अनुकरणीय है। उनके मुख्यमंत्रित्व काल में युगोस्लाविया के राष्ट्रपति मार्शल टीटो उनके भोजन में माँसाहार भी शामिल था लेकिन शाकाहार के कट्टर समर्थक श्री गंगवाल जी ने जब भारत आये तो इन्दौर भी आने का कार्यक्रम बना। उस समय भारत के प्रधानमंत्री श्री जवाहरलाल नेहरू ने भैय्या जी को मार्शल टीटो के आतिथ्य के संबंध में निर्देश भेजे, जिसमें निडर होकर दृढ़तापूर्वक नेहरूजी को सूचित किया कि मैं राजकीय अतिथियों को शुद्ध जल एवं शाकाहारी भोजन ही उपलब्ध करा सकूगा। मांसाहार उपलब्ध कराने में असमर्थ रहूँगा। कृपया क्षमा करें। नित्य नियम से पूजन अभिषेक स्वाध्याय के पश्चात ही वे अपनी दिनचर्या प्रारंभ करते थे। वर्तमान के संदर्भ में ऐसे साफ सुथरे चरित्र और जैनत्व के संस्कारों से युक्त आचरण वाले राजनेता का उदाहरण संभव नहीं लगता है। जैन धर्म के सिद्धांत कितने महान हैं, इसका प्रमाण यह है कि भारतवर्ष के संविधान में जैन धर्म के मूलभूत अहिंसा धर्म के सिद्धांत जीव मात्र के प्रति दया भाव को संविधान में शामिल कर इसे नागरिकों के मूल कर्तव्य के रूप में प्रतिपादित किया गया है, तथा भारत वर्ष का संविधान बनाने वाली संविधान निमार्ता समिति में 5 जैन धर्मावलंबियों को शामिल किया गया था। जिनमें श्री रतनलाल जी जैन मालवीय, अजितप्रसाद जी जैन, भवानी अर्जुन खीमजी, बलवंतसिंह मेहता और कुसुमकांत जी जैन शामिल थे।

साभार सन्मतिवाणी, संकलन : भागचंद जैन मित्रपुरा
अध्यक्ष अखिल भारतीय जैन बैंकर्स फोरम, जयपुर।
9950999339

कान्यकुब्ज ब्राह्मण समाज महिला प्रकोष्ठ द्वारा लहरिया महोत्सव का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

कान्यकुब्ज कान्यकुब्ज ब्राह्मण समाज महिला प्रकोष्ठ ब्राह्मण समाज महिला प्रकोष्ठ संयोजिका अलका मिश्रा के नेतृत्व में आज कान्यकुब्ज समाज भवन सभागार स्नेहीतारा में तीज एवं लहरिया महोत्सव का भव्य अयोजन किया गया। समाज में व्याप्त कुरीतियां दूर करने, समाज में दृढ़ता लाने विषय पर गोष्ठी आयोजित की गई। बहुत सारे नृत्य, गायन, कैट वॉक एवं विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये गए। चार श्रेणियों में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार जूरी द्वारा तय किये गए। समाज अध्यक्ष राजेश चन्द्र द्विवेदी द्वारा सभी विजेताओं को पुरस्कार वितरण किया गया एवं समाज की गतिविधियों पर प्रकाश डालते हुए नवरात्रि में डांडिया महोत्सव आयोजित करने की घोषणा की एवं महिला प्रकोष्ठ संयोजिका अलका मिश्रा, उपाध्यक्ष बन्दना द्विवेदी एवं सांस्कृतिक मंत्री रत्ना मिश्रा के योगदान की भूरि-भूरि प्रशंसा की। महामंत्री प्रमोद दुबे द्वारा सभी का आभार व्यक्त किया गया।

रंग बिरंगा लहरिया उत्सव व सावन की गोठ मनाई

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री दिगंबर जैन महावीर महिला मंडल गोपाल जी का रास्ता की ओर से इंदरगढ़ में लहरिया उत्सव का आयोजन किया गया। इसमें मंडल की करीब 50 सदस्यों ने रंग बिरंगा लहरिया पहनकर भाग लिया। वह लहरिया क्वीन सुशीला छाबड़ा चुनी गई। मंडल की सलाहकार किरण बेनाडा ने बताया कि बस द्वारा टोंक , सूथडा, इंद्रगढ़,व चमत्कार जी के दर्शनों का सौभाग्य प्राप्त किया। सचिव मोना पाटनी व कोषाध्यक्ष नलिनी अजमेरा, संयोजक वंदना छाबड़ा, प्रियंका गदिया ने म्यूजिकल हाउजी गेम और अन्य गतिविधियां वह पुरस्कार देकर अपनी अहम भूमिका निभाई। उपाध्यक्ष मंजु छाबड़ा, मीना काला धार्मिक मंत्री, विद्युत लुहाडिया, आशा लुहाडिया प्रचार मंत्री रतन सोगानी व सभी कमेटी मेंबर सुनीता अजमेरा, मधुलिका, किरण सेठी ,कुमुद काला, ममता गंगवाल सभी मंडल की सदस्यो ने भाग लिया।

तेरा-मेरा छोड़कर भगवान महावीर के बन जाओ सब भेद रेखा खत्म हो जाएगीः दर्शनप्रभाजी म.सा.

भाव शुद्ध होने पर सामायिक की साधना श्रेष्ठ आराधना। रूप रजत विहार में महासाध्वी इन्दुप्रभाजी के सानिध्य में चातुर्मासिक नियमित प्रवचन

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। धर्म का कार्य होता है सेतु बनना लेकिन हमने धर्म के नाम पर दीवारे खींच ली है। भगवान महावीर के तो कहलाते है लेकिन भगवान महावीर के नहीं बन सके। सम्प्रदाय ओर पंथ इतने हावी हो गए कि हम अरिहन्त को भूल गए। पंथ, गच्छ, परम्परा से उपर उठ भगवान महावीर के बन जाओ सब भेदरेखा समाप्त हो जाएगी। ये विचार भीलवाड़ा के चन्द्रशेखर आजादनगर स्थित रूप रजत विहार में सोमवार को मरूधरा मणि महासाध्वी श्रीजैनमतिजी म.सा. की सुशिष्या महासाध्वी इन्दुप्रभाजी म.सा. के सानिध्य में नियमित चातुर्मासिक प्रवचन में मधुर व्याख्यानी डॉ. दर्शनप्रभाजी म.सा. ने व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि भगवान महावीर न तो श्वेताम्बर न दिगम्बर, न तेरापंथी न मूर्तिपूजक थे वह तो सभी के परमात्मा थे। सबसे पहले सबसे उपर उनको मानेंगे तो ही जैन एकता हो सकती है। संत-साध्वियों की कथनी व करनी में भी अंतर आ गया है। पहले सभी आत्मा के संयम के प्रति सजग रहते थे तो लब्धियां प्राप्त होती थी अब हमारी करनी कथनी से जुदा होने से किसे लब्धि मिलती है। साध्वीश्री ने कहा कि जब कोई गलती बार-बार दोहराई जाए तो उसे माफ नहीं किया जा सकता है। सामायिक केवल 48 मिनट बिताना नहीं है बल्कि 32 दोष व पांच अतिचारों को समझने पर ही ज्ञात होगा कि सामायिक क्या है। भाव शुद्ध होने पर ही सामायिक करना सार्थक है एवं वह अभयदान की प्रयोगशाला है। चातुर्मास हमे बर्हिमुखी से अर्न्तमुखी बनने की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि फोन नहीं आ जाए इस चक्कर में हमारा सामायिक करना ओर नौकरानी आने का समय हो गया है इस कारण प्रवचन श्रवण करना छूट रहा है। चातुर्मासिक व्याख्यान में जिनवाणी श्रवण करने से जो ज्ञान प्राप्त होगा वह 100 किताबों का स्वाध्याय करने पर भी नहीं मिल सकता। साध्वी दर्शनप्रभाजी ने घर पर कोई भी संत-साध्वी आहार-पानी लेने पधारे उस समय अपनी वेशभूषा के प्रति सजग रहने की नसीहत देते हुए कहा कि हमारे वस्त्र छोटे ओर अमर्यादित नहीं होने चाहिए जो किसी संत-साध्वी का मन चंचल कर दे। संसार में सब स्वार्थी पर धर्म ही सच्चा मित्र है। धर्म हमारे साथ है तो जो चला जाए वह सब वापस आ सकता पर धर्म का साथ छूट जाए तो हमारे पास कुछ नहीं बचेगा। धर्मसभा में महासाध्वी इन्दुप्रभाजी म.सा. ने कहा कि गुरू के वचनों की पालना करने पर हमेशा अच्छा फल प्राप्त होता है। उन्होंने जैन रामायण का वाचन करते हुए कहा कि पिछले भवों में किए गए कर्मो का फल भोगने से भी हम बच नहीं सकते। सती अंजना ससुराल के बाद पीहर में माता-पिता के भी नहीं अपनाने पर भाईयों के द्वार जाती है लेकिन वह भी रखने को तैयार नहीं होते है। सखी बसंतलता के साथ जंगल में रहने के दौरान ही उनके पुत्र हनुमान का जन्म होता है। जंगल में साधनरत संत बताते है कि पिछले जन्म के पापकर्म के कारण अंजना व उसकी सखी बसंतलता को ये कष्ट उठाने पड़ रहे है लेकिन अब ये पुत्र बहुत भाग्यशाली होगा ओर जल्द उसके सारे कष्ट दूर हो जाएंगे। धर्मसभा में साध्वी दीप्तिप्रभाजी म.सा. ने प्रभु महावीर भगवान तेरा सबसे उंचा ज्ञान गीत प्रस्तुत किया। धर्मसभा में आगम मर्मज्ञा साध्वी डॉ. चेतनाश्रीजी म.सा., तत्वचिंतिका डॉ. समीक्षाप्रभाजी म.सा., तरूण तपस्वी हिरलप्रभाजी म.सा. का भी सानिध्य रहा।

त्रिवेणी नगर के यात्रियों ने सोनागिर जी में आर्यिका स्वस्ति भूषण माताजी के दर्शन कर आर्शीवचनो का लाभ लिया

जयपुर/सोनागिर. शाबाश इंडिया। धर्म नगरी जयपुर से त्रिवेणी नगर जैन समाज के यात्रियों का एक दल ने सोमवार को प्रातः सोनागिर पर्वताधिराज की पदवन्दना कर शांति धारा व अभिषेक कर सुख समृद्धि की कामना की। तत्पश्चात आर्यिका स्वस्ति भूषण माताजी के दर्शन कर आर्शीवचनो का लाभ लिया। दोपहर में करगुवा अतिशय के दर्शन करते हुए गोलाकोट पहुँचे जहां सामुहिक आरती की। शैलेन्द्र जैन ने बताया कि गोलाकोट में मंगलवार को प्रातः आदिनाथ भगवान की सामूहिक अभिषेक करेंगे । तत्पश्चात गोलाकोट से रवाना होकर चंदेरी में चौबीसी व थुवनजी अतिशय के दर्शन कर अशोक नगर से रात की ट्रेन से रवाना होकर बुधवार को जयपुर वापस पहुंचेंगे का कार्यक्रम हैं।

मनुष्य भव देवदुर्लभ है, इसे संसार मे यू ही व्यथ न गवायें : महासती धर्मप्रभा

सुनिल चपलोत. शाबाश इंडिया

चैन्नई। मनुष्य भव देवदुर्लभ है। इसे पाने को देवता भी तरसते हैं।सोमवार श्री एस.एस. जैन भवन के मरूधर केसरी दरबार मे महासती धर्मप्रभा ने श्रोताओं को धर्म उपदेश प्रदान करतें हुए कहा कि मानव जीवन बड़ा ही अनमोल है, अमूल्य है,अनुपम है,अद्वितीय है,अतुलनीय है।लेकिन मनुष्य को मानव भव तो मिल गया परन्तु उसे जीवन जिने का तरिका नहीं आया है।जीवन, जीवन की तरह जिया जाए तो इसमे आनंद-ही -आनंद है और शांति ही शांति है,पर यदि जीवन जीने का तरीका सही न हो तो जीवन में दुःख ही दुःख है,अशांति ही अशांति है। मनुष्य भव बड़ा दुलर्भ और अनमोल। मनुष्य राग द्वेष मोह माया और अज्ञान आश्क्ति मे अपने लक्ष्य से भटक

रहा है । ऐसा भव पाकर भी मनुष्य आनंदित,उल्लसित व आहादित नहीं होता है तो मानव भव सार्थक नही बनने वाला है। संसार के हर सुखी लगने या दिखने वाले पदार्थ, वस्तु अथवा आकर्षण के मूल में दुःख और पीड़ा देने वाले होते है। मानव भव पाकर हमे श्रुति और सिद्धांत का ज्ञान नहीं कर पाये तो आत्मा का संसार सें उध्दार नहीं होने वाला है। आत्मा का उध्दार तभी हो सकता है जब मनुष्य जाग्रत होकर परमात्मा मे लीन हो जाए तभी मनुष्य संसार से अपनी इस आत्मा को आश्क्ति के बंधनों से मुक्त करा लेगा। साध्वी स्नेहप्रभा ने कहा कि मनुष्य शरीर तो मोक्ष का साधन है। इस साधन को पाकर भी यदि इंसान साधना नहीं करता है तो मानव भव को सार्थक नहीं बना सकता है। मनुष्य को मानव भव बार - बार नहीं मिलता है। मनुष्य इस आत्मा को मोह मदांत मे मलीन करने बजाए उच्चता की ओर ले जाने का लक्ष्य रखेगा तो आत्मा को संसार से जन्म मरण के चक्रव्यूह से निकाल सकता है।श्री एस.एस.जैन संघ साहूकार पेठ के कार्याध्यक्ष महावीर चन्द सिसोदिया ने बताया कि धर्मसभा मे अनेक भाई और बहनों ने साध्वी धर्म प्रभा से उपवास के प्रत्याख्यान लिए।

छात्रों को राष्ट्रीय ध्वज का वितरण किया

जयपुर. शाबाश इंडिया

15 अगस्त के पूर्व दिवस पर मालवीय नगर के आदर्श विद्या मंदिर में मालवीय नगर के मंडल अध्यक्ष शैलेश शाह ने हर घर तिरंगा और मेरी माटी मेरा देश का आयोजन किया गया। इस समारोह के दौरान, 'हर-घर तिरंगा' अभियान के अंतर्गत स्कूल के सभी छात्रों को राष्ट्रीय ध्वज वितरण किया। इससे उन्हें देश प्रेम और राष्ट्रीय भावना की महत्व पूर्णता का आदर्श मिला। इस मौके पर मंडल अध्यक्ष शाह ने छात्रों में देश प्रेम, और तिरंगे का महत्व प्रति जागरूकता को बढ़ावा देने का संकेत दिया है, प्रधानमंत्री की प्रेरणा से शुरू हुआ मेरी माटी मेरा देश अभियान के तहत मंडल अध्यक्ष शैलेश शाह जी ने पंच प्रण पर प्रकाश डाला, स्कूल में मौजूद बच्चों का पंच प्रण की प्रतिज्ञा दिलवाई। इस दौरान मंडल महामंत्री बने सिंह, आदर्श विद्यामंदिर की आचार्य श्रीमती सीमा भामोता आदि उपस्थित रहे। स्वतंत्रता दिवस पूर्व दिवस पर मालवीय नगर के आदर्श विद्या मंदिर में आज मालवीय नगर के मंडल अध्यक्ष शैलेश शाह ने हर घर तिरंगा और मेरी माटी मेरा देश का आयोजन किया गया। इस

समारोह के दौरान, हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत स्कूल के सभी छात्रों को राष्ट्रीय ध्वज वितरण किया। इससे उन्हें देश प्रेम और राष्ट्रीय भावना की महत्व पूर्णता का आदर्श मिला। इस मौके पर मंडल अध्यक्ष शाह ने छात्रों में देश प्रेम, और तिरंगे का महत्व प्रति जागरूकता को बढ़ावा देने का संकेत दिया है, प्रधानमंत्री की प्रेरणा से शुरू हुआ मेरी माटी मेरा देश अभियान के तहत मंडल अध्यक्ष शैलेश शाह जी ने पंच प्रण पर प्रकाश डाला, स्कूल में मौजूद बच्चों का पंच प्रण की प्रतिज्ञा दिलवाई। इस दौरान मंडल महामंत्री बने सिंह, आदर्श विद्यामंदिर की आचार्य श्रीमती सीमा भामोता आदि मौजूद रहे।

विद्यार्थियों को राष्ट्रीय ध्वज का वितरण

स्वतंत्रता दिवस के एक दिन पूर्व मालवीय नगर के आदर्श विद्या मंदिर में आज हर घर तिरंगा और मेरी माटी मेरा देशका आयोजन किया गया। इस समारोह के दौरान, हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत स्कूल के सभी छात्रों को राष्ट्रीय ध्वज वितरण किया। आचार्य श्रीमती सीमा भामोता ने बताया कि इस मौके पर मालवीय नगर मंडल अध्यक्ष शैलेश शाह ने छात्रों में देश प्रेम, और तिरंगे के बारे में बताया। इस दौरान मंडल महामंत्री बने सिंह भी मौजूद रहे।

संगिनी नॉर्थ ने फल व स्टेशनरी वितरित किए

जयपुर. शाबाश इंडिया

जैन सोशल ग्रुप इंटरनेशनल फेडरेशन नॉर्दर्न रीजन के सेवा सप्ताह के तहत संगिनी जैन सोशल ग्रुप नॉर्थ जरूरतमंद व्यक्तियों 55 एवं फल वितरित किए। कार्यक्रम में ग्रुप अध्यक्ष किरण झंझरी, रानी जैन, राखी जैन ऋषिका जैन, मोनिका कासलीवाल वं अन्य सदस्यगण उपस्थित थे।

वाल्ट्स कंसेप्ट एंड इवेंट्स द्वारा आयोजित इवेंट दा बोल्ड एंड ब्यूटीफुल हुआ

जयपुर. शाबाश इंडिया

इस इवेंट में जयपुर के नामचीन लेडीज क्लब्स ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम में चीफ गेस्ट राज खान रहे। कार्यक्रम में सुमन शर्मा एक्स चेयरपर्सन राजस्थान स्टेट विमेन कमीशन, अर्चना शर्मा सेकेट्री आर पी सी सी, संगीता बेनीवाल, चेयरपर्सन राजस्थान स्टेट कमीशन फॉर पॉटिंशन ऑफ चाइल्ड राइट्स, अल्का गौड़, संजय सरदाना , पवन गोयल, मोनिका कड़वासरा, विजय जैन, अमृता श्रीवास्तव और सिम्मी मदान सहित जयपुर की लगभग 700 महिलाएं उपस्थित रही। कार्यक्रम आयोजक विजय एंड्रयूज और नीलम सक्सेना ने बताया कि कार्यक्रम के मुख्य आकर्षण फैशन कोरियोग्राफर विनय कुमावत द्वारा डिजाइन फैशन वॉक राजीव खन्ना, सीतू सेवानी और श्रीपा हंसा राठौड़ की डिजाइनर्स ड्रेसेस पहन कर बोल्ड एंड ब्यूटीफुल थीम पर रैंप वॉक की जिसमे मेकअप पार्टनर न्यूट्रीपल्स रहा। फैशन शो की शो स्टॉपर श्वेता मेहता मोदी मिसेज इंडिया 2019 रही। बोल्ड एंड ब्यूटीफुल दिवा श्वेता शर्मा रही साथ ही अन्य प्रतियोगिताओं में फीमेल सेलिब्रिटी सिंगर्स नीलम शर्मा , प्रियंका शर्मा और डांसर्स ऋतु शर्मा ,दीपा सैनी प्रियंका और रेणुका की परफॉर्मेंस रही। इवेंट में विंटेज बॉलीवुड लुक अट्रैक्टिव आइज लागेस्ट हेयर और भी अन्य आकर्षक प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। इवेंट का संयोजन कोमल चौहान द्वारा किया गया।

छात्र प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री महावीर दिगम्बर जैन उच्च माध्यमिक विद्यालय में दिनांक 14 अगस्त 2023 को प्रतिवर्ष की भाँति छात्र प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया । कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महोदय माननीय डॉक्टर निर्मल जैन, भारत गौरव सदस्य, राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा बोर्ड, परिवहन मन्त्रालय, भारत सरकार रहे। कार्यक्रम के शुभारंभ में मुख्य अतिथि श्री डॉ. निर्मल जैन, श्री महावीर दिगम्बर जैन शिक्षा परिषद के अध्यक्ष श्री उमराव मल संघी, संरक्षक श्री अशोक जैन नेता, उपाध्यक्ष श्री सुरेंद्र कुमार पांडया, मानद् मंत्री श्री सुनील बख्शी, कोषाध्यक्ष श्री महेश काला, कार्यकारिणी सदस्य मनीष बैद, विनोद जैन कोटखावदा, संरक्षक पी.सी. छाबड़ा द्वारा भगवान महावीर एवं माँ सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलन कर किया गया। संस्था के मानद् मंत्री श्री सुनील बख्शी ने अपने स्वागतोद्वार में विद्यालय की प्रगति एवं उपलब्धियों के बारे में अपने विचार व्यक्त किए। संस्था के अध्यक्ष श्री उमराव मल संघी ने अपने वक्तव्य में कहा कि इस समारोह में प्रतिवर्ष शैक्षिक एवं सहशैक्षिक गतिविधियों में विशिष्ट स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया जाता है। माननीय मुख्य अतिथि महोदय ने विद्यार्थियों को आशीर्वाद देते हुए जीवन में सत्य, निष्ठा एवं अहिंसा के पथ पर आगे बढ़ने का संदेश देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। समारोह के अंत में विद्यालय आचार्या श्रीमती रेनू गोस्वामी ने कार्यक्रम में पधारे सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया ।

सावरदा सती माता मन्दिर जीणोद्धार एवं नवीनीकरण के शुभ अवसर पर जैन (बडजात्या) परिवार की ओर से वास्तु विधान एवं विश्व शान्ति महायज्ञ कराया

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

नसीराबाद। जयपुर रोड के दूदू के पास सावरदा मे स्थित (जैन) बडजात्या परिवार की सती माता मन्दिर के जीणोद्धार एंव नवीनीकरण के शुभ अवसर पर वास्तु विधान एवं विश्व शान्ति महायज्ञ सती माता मन्दिर, गुरुद्वारा के सामने सावरदा , दूदू मे आयोजित करवाया गया । नसीराबाद से ओमप्रकाश बड़जात्या व बिजयनगर से प्रभाचन्द ने जानकारी देते हुए बताया कि वास्तु विधान व विश्व शान्ति महायज्ञ विधानाचार्य पंडित कोमल चन्द शास्त्री सुमन नसीराबाद के निर्देशन मे किया गया।

शोक सन्देश/तीये की बैठक

अत्यन्त दुःख के साथ सूचित किया जाता है कि मेरी पुत्रवधू

श्रीमती लक्ष्मी पाटनी

(धर्मपत्नी सुभाष पाटनी)

का आकस्मिक निधन दिनांक 14 अगस्त 2023 को हो गया है शवयात्रा दिनांक 15 अगस्त 2023 दोपहर 3 बजे हमारे निवास स्थान सी-127, मोतीमार्ग, बापू नगर से दोपहर 3.30 बजे लालकोठी शवदाह गृह पर पहुंचेगी

तीये की बैठक दिनांक 16 अगस्त 2023 को प्रातः 10.15 बजे नारायण सिंह सर्किल, तोतुका भवन, भट्टारकजी की नसियां जयपुर पर होगी।

शोकाकुल परिवार पतासी देवी पाटनी (मातोश्री)

महिपाल, सुरेश (जेठ), पवन (देवर), विवेक, सर्वेश, सौरभ, आलोक, सिद्धार्थ, अनन्त, वर्धमान (पुत्र), सुरभि-मोहित (पुत्री-दामाद), हर्षित, आर्यम, ईशान, पार्थ , परीना, यजत, लवीश, विहान, हृदय, तवीशा, रायसा (पौत्र, पौत्री)

पीहरपक्ष:- माणिकचन्द, प्रसन्न कुमार, राजेन्द्र कुमार पांड्या (कलकत्ता सिलिगुड़ी)

प्रतिष्ठान : स्वप्नलोक रिजॉर्ट्स